वर्ष: 7- अंक: 156, मुंबई, शुक्रवार, 11 अगस्त, 2017 , मूल्य:1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई हलचल की खबर का असर

देवेंद्र फडनवीस
मुख्यमंत्री

अजोय मेहता
मनपा आयुक्त

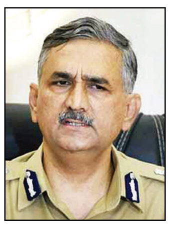

दत्तात्रय पडसलगिकर
मुं. पुलिस कमिश्नर

TREEBO 7 CEPL होटल पर कानून का डंडा

मालिक-मैनेजर फरार

मुंबई। अंधेरी पूर्व में बैंक ऑफ बडौदा के पास इलाइट ऑटो हाउस के समीप 7 कांटिनेंट्स एक्सप्रेस प्रा.लि., 54ए, फर्स्ट फ्लोर स्थित होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल में कल उस समय सनसनी फैल गई जब मनपा, पुलिस बिजली और पानी कनेक्शन से जुड़े अधिकारियों ने होटल से संबंधित सभी लाइसेंस और कागजात के बारे में जांच पड़ताल करने होटल पहुंचे। अचानक हुई इस कार्रवाई से होटल का मालिक और मैनेजर सकते में आ गया और बहाने बनाकर वहां से खिसकने में ही अपनी भलाई समझी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

समय से निपटा लें काम

4 दिन बंद रहेंगे बैंक

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

स्वतंत्रता दिन पर
विशेष छूट
समोसा ₹ 13/- 9/-
जलेबी ₹ 460/- 380/-
मकाई चिवडा ₹ 280/- 220/-
Scheme For 14,15 Aug. Only
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com

भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार पर कब होगी कार्रवाई?

मनपा आयुक्त अजोय मेहता की आंखें कब खुलेंगी

बीएमसी की खामोशी पर लोगों को हैरत

क्या घाटकोपर बिल्डिंग हादसे का है इंतजार

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

लालू के करीबी को गोलियों से भूना

राजद अध्यक्ष बोले- राजनीतिक हत्या

पटना। बिहार की राजधानी पटना में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और वार्ड पार्षद केदार राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के करीबी बताए जाते हैं। इस बीच, पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। देश में हर साल 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस से के मौके पर आतंकी हमले की साजिश से जुड़ा अलर्ट पूरे देश में जारी किया जाता है। ऐसे में सभी राज्यों की पुलिस ऐक्टिव रहती है और संदिग्ध लोगों पर नजर रखती है। दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस से पूर्व दो अलग-अलग मामलों में यहां अल-कायदा से संबंध रखने के संदेह में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मराठों के साथ मुसलमानों को भी मिले आरक्षण: अबू आजमी

मुंबई। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी ने मुस्लिम समाज को आरक्षण देने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि मराठा समाज के साथ मुस्लिम समाज को भी आरक्षण मिलना चाहिए। आजमी ने कहा, 'पिछली सरकार ने मराठा समाज को 16 प्रतिशत और मुस्लिम समाज को 5 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए अध्यादेश निकाला था। मामला कोर्ट में जाने में बाद मराठा समाज के लिए आरक्षण के संदर्भ में विधानसभा में बिल पारित किया गया, लेकिन मुसलमानों को दूध में पड़ी मक्खी की तरह हटा दिया गया।' उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को शिक्षा में 5 प्रतिशत आरक्षण मिलना ही चाहिए, तभी मुसलमानों का विकास होगा। मराठा समाज के साथ मुस्लिम समाज को भी आरक्षण की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश की 20 फीसदी आबादी मुसलमानों की है। करीब 20 करोड़ मुसलमान देशभर में हैं। जब तक देश में मुसलमानों का विकास नहीं होगा तब भारत विकसित देश नहीं बनेगा। इसके लिए मुसलमानों को आरक्षण दिया जाना जरूरी है।

नसीम खान ने भी गरजे

विधानसभा में कांग्रेस के विधायक और अल्पसंख्यक मामलों के पूर्व

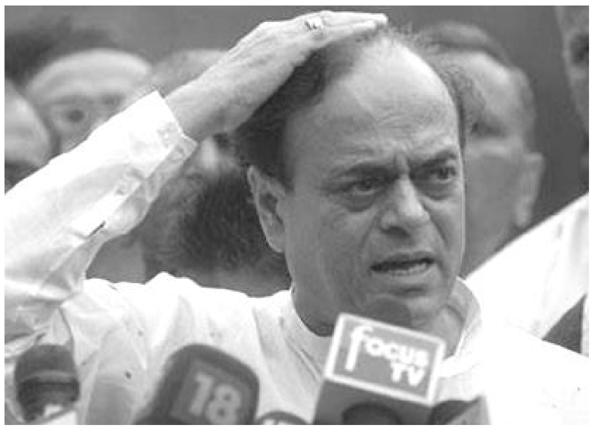

मंत्री नसीम खान ने कहा कि, जिस तरह से सरकार मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए सकारात्मक है उसी तरह से मुस्लिम समाज को भी आरक्षण देने के लिए सकारात्मक हो। मुस्लिम समाज के विकास के लिए आरक्षण की आवश्यकता है। कोर्ट ने भी मुस्लिम समाज को आरक्षण देने की सिफारिश की है।

नसीम ने कहा कि सरकार लोगों को भ्रमित न करे, हम धर्म के आधार के आधार पर आरक्षण नहीं मांग रहे, हम तो अल्पसंख्यक होने के आधार पर आरक्षण मांग रहे हैं। न्यायालय ने भी हमारे बच्चों को शिक्षा में 5 फीसदी आरक्षण जारी रखने की बात कही है, लेकिन सरकार ने हमारे बच्चों का आरक्षण रोक रखा है। एमआईएम के इंतियाज जलील ने सरकार से पूछा कि क्या मराठा क्रांति मोर्चा की तरह मुस्लिम समाज भी रैली निकाले?

मुख्यमंत्री का जवाब

इस पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि, मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए सरकार सकारात्मक है। वैसे भी मुस्लिम समाज को ओबीसी और एसटी में पहले से ही आरक्षण मिला हुआ है। मुस्लिम को मिल रहे आरक्षण को रद्द नहीं किया गया है। पिछडा वर्ग के विद्यार्थियों को जिन 605 पाठ्यक्रमों में छात्रवृत्ति दी जाएगी उसमें मुसलमानों का भी समावेश है।

परीक्षा में कुलपति हुए 'फेल' अब पटेल करेंगे संघर्ष

मुंबई। उत्तर पुस्तिकाओं का ऑनलाइन मूल्यांकन कराने का निर्णय मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय देशमुख के लिए जी का जंजाल बन गया। एक तरफ जहां विद्यार्थियों को अब भी परीक्षा परिणाम का इंतजार है, वहीं उत्तर पुस्तिकाओं के ऑनलाइन मूल्यांकन की परीक्षा में कुलपति बुरी तरफ फेल हुए हैं, जिसके चलते उन्हें छुट्टी पर जाना पड़ा, जबकि इन्हीं कार्यों के लिए विश्वविद्यालय में कार्यवाहक प्र-कुलपति के पद पर वीजेटीआई के निदेशक धीरेन पटेल की नियुक्ति की गई है। अब पटेल अगले कुछ दिनों तक संघर्ष करके परीक्षा परिणाम घोषित करेंगे।

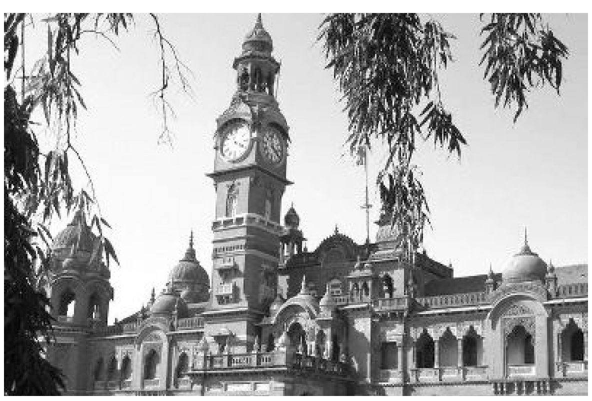

विद्यार्थियों में संशय

पटेल की नियुक्ति और देशमुख के छुट्टी पर जाने से विद्यार्थियों में 15 अगस्त तक परीक्षा परिणाम घोषित होने को लेकर संशय है। उनके मुताबिक जिस तरह से बुधवार को देशमुख अचानक छुट्टी पर गए हैं, उससे लगता है कि परीक्षा परिणाम 15 अगस्त तक घोषित होना मुश्किल हो गया था, जिसके चलते वे छुट्टी पर जाने में ही भलाई समझी, नहीं तो अचानक से उनके छुट्टी पर जाने का कोई तुक ही नहीं बनता है।

लगातार बढ़ा रहे थे समय सीमा

देशमुख ने पारदर्शी और जल्दी परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए सभी परीक्षाओं के उत्तर पुस्तिकाओं का ऑनलाइन मूल्यांकन करने का निर्णय लिया था। लेकिन उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ और यूनिवर्सिटी समय पर परीक्षा परिणाम घोषित नहीं कर पाई। परीक्षा विभाग का पूरी व्यवस्था इस कदर चरमरा गई कि निर्धारित अधिकतम 45 दिनों में अधिकतर परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हो पाए। इसके बाद राज्यपाल ने 31 जुलाई तक सभी परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया। फिर इस तिथि को बढ़ाकर 5 अगस्त कर दिया गया, लेकिन यूनिवर्सिटी सभी परीक्षा परिणाम घोषित नहीं कर पाई। बुधवार को देर शाम तक यूनिवर्सिटी सिर्फ 7 परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर सकी। घोषित हुए परीक्षा परिणाम की संख्या 300 हो गई है, जबकि अब भी यूनिवर्सिटी को 477 में से 177 परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने हैं। इसमें कला, वाणिज्य संकाय और विधि के प्रमुख विषय शामिल हैं।

दो लाख उत्तर पुस्तिकाएं जांचना बाकी

विश्वविद्यालय के मुताबिक बुधवार को 10,421 उत्तर पुस्तिकाएं ही जांची जा सकीं, जबकि अब भी 2 लाख 246 उत्तर पुस्तिकाएं जांचनी बाकी है। लगातार पिछले कुछ दिनों से जांचने की गति धीमी हुई है।

अब सिनेमा के पर्दे पर भी दिखेंगे बाबा रामदेव

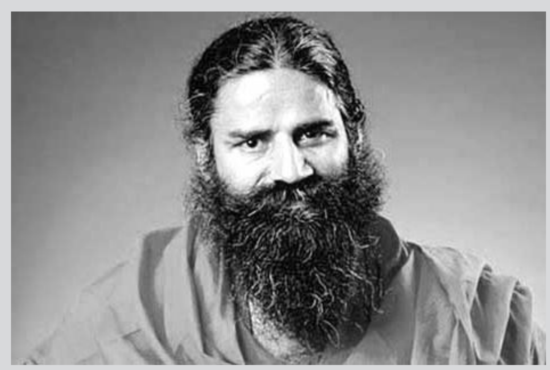

मुंबई। योग गुरु बाबा रामदेव आने वाली फिल्म 'यह है इंडिया' के प्रमोशन में जुट गए हैं। इस फिल्म के गाने 'सइयां सइयां' में वे दिखेंगे भी। लोम हर्ष द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म में गेवी चाहल, डिआना उप्पल अग्रिम भूमिका में हैं। यह फिल्म 18 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। रामदेव ने एक बयान में कहा है, 'देश की आबादी करोड़ के पार पहुंच चुकी है। यह ऐसा देश है जहां वेदों की रचना हुई। दुनिया में कुछ लोगों की इस देश के बारे में धारणा गलत है। भारत जादूगरों का देश भर नहीं रहा। अब यह आगे बढ़ चुका है। भारत के पास दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता है। 'यह है इंडिया' में भारत के इसी बदले रूप को दशार्या गया है। गहन विचार के बाद मैंने इस फिल्म का पुरजोर समर्थन करने का फैसला लिया। मैं उम्मीद करता हूं कि हर भारतीय नागरिक ऐसी फिल्म का समर्थन करेगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार पर कब होगी कार्रवाई?

मनपा आयुक्त अजोय मेहता की आंखें कब खुलेंगी

क्या घाटकोपर बिल्डिंग हादसे का है इंतजार

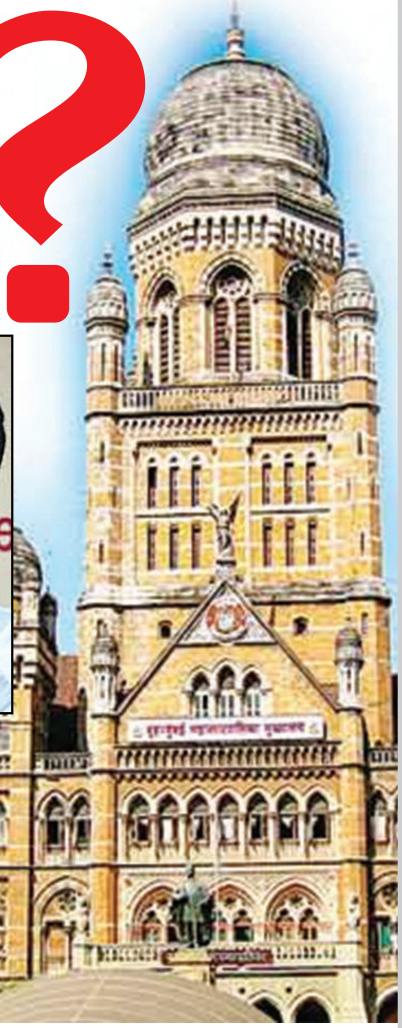

मुंबई। मालाड पश्चिम के एस.वी. रोड स्थित न्यू इरा सिनेमा के सामने सरस्वती दर्शन बिल्डिंग में चल रहे भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार पर बीएमसी की कार्रवाई कब होगी इसको लेकर तमाम तरह की चर्चाओं का बजार गर्म है। क्योंकि पहले से जर्जर और पुरानी इस भारत रेस्टोरेंट एंड बार की पीलरों से भी छेड़छाड़ करके इसे नया रूप तो दे दिया गया लेकिन यह पहले से भी ज्यादा कमजोर हो गई है। साथ ही इसके टेरिस पर भी अवैध कब्जा करके वहां भी धंधा शुरु किया गया है जहां ग्राहकों की भीड के कारण यह बिल्डिंग भी कभी भी ध्वस्त हो सकती है। भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार के खतरे के बारे में इस पत्र द्वारा सरकार को बार-बार जानकारी दिये जाने के बावजूद न तो बीएमसी और न ही महाराष्ट्र सरकार में बैठे दिग्गज नेता और न ही मनपा पी/नार्थ के अधिकारी इस मामले में कोई कार्रवाई करने के बदले चुप्पी लगाये बैठे हैं। जबकि जानलेवा खतरों से अंजान बने बैठे भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार के मालिक ने ग्राउंड फ्लोर पर तो अपना धंधा तो फैला ही रखा है लेकिन ओपन टेरिस पर भी कब्जा जमाकर वहां भी धंधा शुरु कर दिया है। कहा जाता है कि ओपन टेरिस पर धंधा जमाने के लिए इस भारत बार के मालिक ने काफी पुरानी और खतरनाक हो चुकी इस बिल्डिंग में काफी छेड़छाड़ की है। जिस कारण यह बिल्डिंग और भी ज्यादा खतरनाक हो गई है और कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है और मौके पर ही लोगों की मौत हो सकती है। लेकिन अफसोस की बात है कि भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार मालिक की इस जानलेवा कार्रवाई पर मनपा पी/नार्थ के अधिकारी की नजर अबतक नहीं पड़ी है। लगता है जैसे उन्हें किसी बड़े हादसे का इंतजार है। अगर कोई हादसा होता है और लोगों की जान जाती है तो इसका जिम्मेदार सिर्फ भारत बार मालिक ही नहीं, मनपा पी/नार्थ के अधिकारी भी होंगे। इस पूरानी बिल्डिंग में चल रहे भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार की टेरिस पर अवैध निर्माण के कारण कभी भी हादसा हो सकता है और घाटकोपर में बिल्डिंग ध्वस्त होने जैसी घटना मालाड में भी हो सकती है।

लेकिन बीएमसी ने अपनी आंख पर चढ़ी पट्टी अबतक नहीं खोली है। लोगों की जान का दुश्मन बन चुके इस भारत फैमिली रेस्टोरेंट एंड बार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग जोर शोर से की जा रही है ताकि घाटकोपर हादसा यहां दोहरा न सके। घाटकोपर हादसे के बाद बीएमसी आयुक्त ने कड़ी निगरानी और कार्रवाई का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया लेकिन उसके बाद भी मालाड में भारत बार चल रहा है और मनपा आयुक्त अजोय मेहता इस मामले में अब तक खामोश हैं।

टेक्सटाइल म्यूजियम के नाम पर पेज 3 कल्चर लाने का भाजपा ने किया विरोध

मुंबई। मनपा प्रशासन ने यूनाइटेड मिल में टेक्सटाइल म्यूजियम बनाने का निर्णय लिया है। जिसके लिए मनपा ने जे जे आफ आर्ट्स को सलाहकार के रूप लेते हुए 17 करोड़ रुपया खर्च करने का निर्णय लिया है। मनपा के निर्णय का भाजपा ने सलाहकार नियुक्ति को यह कहकर विरोध किया है कि टेक्सटाइल म्यूजियम के नाम पर पेज 3 कल्चर शुरू करने का भाजपा विरोध करेगी। टेक्सटाइल मुंबई की पहचान थी उस तरह का म्यूजियम बनाना चाहिए।

गौरतलब है कि मुंबई में एक समय 58 मिले चलती थी। सूती मिल के नाम से मुंबई जानी जाती थी। एक एक कर सभी मिले बंद हो गई। मुंबई की पहचान बनाए रखने के लिए यूनाइटेड मिल में टेक्सटाइल म्यूजियम बनाने जाने का निर्णय लिया गया है। मनपा ने जेजे ऑफ आर्ट्स स्कूल को सलाहकार के रूप में लेने का निर्णय लिया है। मनपा के निर्णय का भाजपा नेता मनोज कोटक ने आरोप लगाया कि म्यूजियम के नाम पर म्यूजियम में कैफे ब्युटिक शॉप और फैशन शो के लिए जगह उपलब्ध कराए जाने का विरोध रहेगा। म्यूजियम में मिल की मशीन किस तरह सूत की कताई होती थी और मजदूर के काम करने के तरीकों और मिल की विरासत की जानकारी देने वाला म्यूजियम बनाए जाने का गुहार लगाई। स्थाई समिति में सभी सदस्यों ने हेरिटेज के नाम पर आभा लांबा के काम काजो का भी विरोध किया। सदस्यो का आरोप था मनपा मुख्यालय में लगी एल ई डी लाइट में हेरीटेज की धज्जियां उड़ाई गई है।

मानव विकास संस्था द्वारा मानवाधिकार परिचर्चा

मुंबई। महानगर मुंबई के कांदिवली पूर्व के महाडा रोड न1 पर मुंबई की लोकप्रिय सामाजिक संस्था मानव विकास संस्था द्वारा आम नागरिक के उनके अधिकार एवं कर्तव्य की विस्तृत जानकारी जन जन तक पहुँचाने हेतु मानवाधिकार परिचर्चा का आयोजन सम्पन्न हुआ जिसमे कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में मुंबई उच्च न्यायालय अधिवक्ता श्री कमलेश यादव एवं मुख्य अतिथि हमारा मैट्रो के संपादक श्री चंद्र भूषण मिश्रा जी विशिष्ट अतिथि में श्रीराम विद्यालय के ट्रस्टी श्री गुलाब सिंह एवं युवा नेता इंद्रजीत सिंह (पप्पू सिंह), समाजसेवक रहमान खान जी रहे। इस महत्वपूर्ण परिचर्चा मे अधिवक्ता कमलेश यादव ने महिलाओं एवं जन मानस के मानवीय हक्क के बारे में विस्तृत जानकारी दिया एवं शासन प्रशासन से आम जनता के संबंधो को बखूबी बताया। बतौर मुख्य अतिथि श्री चन्द्र भूषण मिश्रा ने लोगो को बताया की प्रशासनिक कार्यालय जैसे महानगरपालिका, पुलिस स्टेशन, रजिस्ट्रार कार्यालय में क्या है आम जनता का अधिकार इसका व्याख्यान देते हुए उन्होंने कहा की भारतीय सविधान द्वारा प्रदत्त आम नागरिको के मौलिक अधिकार एवम् मानवाधिकार का शरीर एवं आत्मा का सम्बन्ध है।

कार्यक्रम के संयोजक एवं मानव विकास संस्था के अध्यक्ष रवीन्द्र दुबे, कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, पारस चौधरी, बृजेश सिंह, विक्रांत सिंह, रूपेश ताम्बे, रवि शर्मा, दिनेश यादव, प्रकाश काम्बले, उमेश राजोरिया, कमलकांत शर्मा, विनोद विश्वकर्मा, सौरभ सिंह, सोहिल खान, महेंद्र चौधरी, कृष्णा कुशवाह व कवि अनिल त्रिपाठी के साथ साथ महिला मंडल अध्यक्ष संगीता पाल, ज्योति शाह, निशा चौबे, सरिता सिंह, सोनी पाठक, जुली सिंह, निशा सिंह सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हमारी बात

अभिभावकों की जिम्मेदारी

युवाओं के बीच इस समय फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप इत्यादि का क्रेज बहुत ज्यादा है। स्कूल से लेकर कॉलेज तक के विद्यार्थी काफी समय इस पर लगाते हैं। उनके अपने ग्रुप बने हुए हैं जिन पर दोस्तों के साथ वे जुड़े हुए हैं। वैसे तो पढ़ाई की उम्र में सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर समय बिताना ठीक नहीं है लेकिन यदि युवा ऐसा कर रहे हैं तो अभिभावकों की जिम्मेदारी बनती है कि उनकी गतिविधियों पर नजर रखें। युवाओं के बीच कई बार आपस में ही कुछ ऐसी चीजें हो रही हैं जिनसे उनके दिल को धक्का लगता है और वे गलत कदम उठा लेते हैं। अबोहर में सोलह वर्षीय छात्र द्वारा परेशान होकर नहर में छलांग लगाने की घटना दुखद है। छात्र को उसके पड़ोसी युवक ने धमकी दी थी कि वह उसे बदनाम करने के लिए उसकी फोटो एडिट करके फेसबुक पर अपलोड कर देगा। कुछ दिन पहले पंजाब के ही एक स्कूल में पढ़ने वाले कुछ छात्रों ने अपने दोस्त का अपहरण कर लिया था। इस मामले की जांच में यह बात सामने आई थी कि आरोपियों में से एक छात्र को शक था उसके दोस्त के कहने पर उसके ग्रुप की छात्रा ने उसे ब्लॉक कर दिया था। इस तरह की घटनाओं को देखते हुए अभिभावकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे अपने बच्चों पर नजर रखें। खासकर किशोरावस्था में तो बहुत जरूरी है। यह अवस्था ऐसी होती है जब अभिभावकों के लिए चुनौतियां बहुत ज्यादा होती हैं। कॉलेज के विद्यार्थी तो फिर भी कुछ परिपक्व हो जाते हैं लेकिन दसवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों में परिपक्वता का अभाव होता है। इस अवस्था में वे भावनाओं में बहकर कोई भी कदम उठा लेते हैं। इसका पता जब चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है और पछताने के सिवाय कुछ नहीं बचता है। इसलिए अभिभावकों को बराबर इस बात पर नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चे मोबाइल फोन, कंप्यूटर इत्यादि पर कितना समय दे रहे हैं, वे किस सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर ज्यादा समय बिताते हैं, उनके ग्रुप में कौन-कौन है और किस तरह के मैसेज का आदान-प्रदान हो रहा है। इसके लिए जरूरी है कि अभिभावक अपने बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करें, उनके साथ समय बिताएं व घुलें-मिलें ।

सुविचार

स्पष्टीकरण वहाँ देना चाहिए जहाँ उसे सुनने और समझने वाला एक खुला दिमाग हो,

अगर किसी ने आपको गलत मान लिया है तो उस पर सफाई देने का मतलब खुद को खुद की नजरो मे गिराना है।

हकीकत से मुंह मोड़ती कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी में सब कुछ नेहरू गांधी परिवार के इर्दगिर्द ही घूमता है। पार्टी को दिशा भी वहीं से मिलती है और दिशाहीनता का शिकार भी वहीं से होती है। पिछले कुछ सालों से पार्टी का दिशा सूचक यंत्र खराब हो गया है। उसके ठीक होने के कोई आसार भी नहीं दिख रहे। देश की कभी सबसे बड़ी और सत्ता की स्वाभाविक पार्टी रही कांग्रेस केंद्र के बाद राज्यों से भी सत्ता से बाहर हो रही है और विपक्ष की भूमिका निभाने की न तो उसे आदत पड़ सकी है और न ही क्षमता दिखती है। बीमारी कितनी ही गंभीर क्यों न हो उसके इलाज की कोशिश तो की ही जा सकती है। कांग्रेस नेता और कुछ समय पहले तक राहुल गांधी के सलाहकार माने जाने वाले जयराम रमेश ने पार्टी की बीमारी की ओर संकेत किया है। उन्होंने कहा है कि सल्तनत चली गई पर लोग अपने को अब भी सुल्तान समझ रहे हैं। उनका यह कथन कांग्रेस की समस्या और उसके सुधार के आसार न दिखने की उनके जैसे नेताओं की अकुलाहट को व्यक्त करता है, पर जयराम की इस टिप्पणी पर कांग्रेसियों की प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस में कोई सच का सामना करने को तैयार नहीं। सच का सामना कराने के लिए गांधी परिवार को कठघरे में खड़ा करना पड़ेगा। कांग्रेस में गांधी परिवार से सवाल करना भी कुफ्र से कम नहीं है। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस जिस हालत में है उसके बूते वह 2019 में नरेंद्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी और भाजपा से लड़ने की स्थिति में नहीं है। ऐसा कहने वाले वह पहले व्यक्ति नहीं हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी कह चुके हैं कि विपक्ष को 2019 का चुनाव भूल जाना चाहिए और 2024 की तैयारी करनी चाहिए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कांग्रेस के साथ रहते और साथ छोड़ने के बाद इसी आशय की बात कह चुके हैं।

जयराम रमेश की टिप्पणी पर दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने कहा कि वह भी तो सुल्तान रह चुके हैं। शीला दीक्षित शायद भूल रही हैं कि कांग्रेस में गांधी परिवार से इतर कोई नेता सुल्तान बनना तो दूर, बनने की सोच भी नहीं सकता। जाहिर है कि जयराम रमेश की यह टिप्पणी बिना नाम लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के बारे में ही है। यह टिप्पणी राहुल गांधी की कार्यशैली पर सवाल उठा रही है। किसी को कोई गलतफहमी न रहे इसलिए उन्होंने अपनी बात को और स्पष्ट किया। जयराम का कहना है कि 1977, 1989 और 1998-99 का संकट चुनावी हार का था, इसलिए पार्टी उससे उबरने में कामयाब रही। 2014 के लोकसभा चुनाव की हार और उसके बाद राज्य विधानसभा चुनावों में हार ने कांग्रेस के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है। मुश्किल यह है कि कांग्रेस के लोग इसे समझने को तैयार नहीं। 1977, 1989 और 1998-99 की हार से कांग्रेस को उबारने के लिए पार्टी के पास नेतृत्व था। आज अस्तित्व का संकट मुंह बाएं खड़ा है तो उसका एक बड़ा कारण नेतृत्व का संकट है। कांग्रेस के लोग यह समझने के लिए ही तैयार नहीं हैं कि जिन्हें (राहुल गांधी) वह अपनी सबसे बड़ी ताकत समझ रहे थे वह सबसे बड़े बोझ साबित हो रहे हैं। पार्टी अतीतजीवी बन गई है। किसी कांग्रेसी से आज के संकट के बारे में पूछिए तो उसका रटारटाया जवाब होता है कि पहले भी तो संकट आया था और उबर गए। इस बार ऐसी क्या नई बात है? मशहूर कवि दुष्यंत कुमार की एक गजल का शेर

है-तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं। कांग्रेस और कांग्रेसियों की हालत कुछ ऐसी ही है। वे आईना दिखाने पर आईने में ही नुक्स निकाल रहे हैं।

पार्टी यह देखने को ही तैयार नहीं है कि उसका नेता भविष्य की ओर पीठ करके खड़ा है। कांग्रेस की हालत का अंदाजा इस बात से लगाइए कि लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेता एके एंटनी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई। इसे चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा का जिम्मा सौंपा गया। उस कमेटी की रिपोर्ट पर अमल तो छोड़िए, कांग्रेस कार्यसमिति के लोगों को उसके दर्शन भी नहीं हुए। पिछले तीन सालों में देश में इतना कुछ बदल गया, पर कांग्रेस संगठन में कोई बदलाव नहीं हुआ। हां इतना जरूर हुआ है कि लोकसभा चुनाव के बाद से सोनिया गांधी की रोजमर्रा के कामों में सक्रियता दिनों दिन घटती गई। एक-एक करके कई राज्यों के कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की शिकायत करते हुए पार्टी से चले गए, पर राहुल गांधी के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया। गुजरात जैसे राज्य में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए पार्टी को जितनी मेहनत करनी पड़ी उतनी तो शायद उसने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी नहीं की होगी। 57 विधायकों वाली कांग्रेस गांधी परिवार के बाद पार्टी के सबसे ताकतवर माने जाने वाले नेता अहमद पटेल को अपनी पार्टी के सिर्फ 41 विधायकों का समर्थन दिला सकी। बाहर से मिला तीन विधायकों का समर्थन भी उन्हें न जिता पाता अगर कांग्रेस के दो बागी विधायकों ने अति उत्साह में अपना बैलेट पेपर भाजपा नेताओं को न दिखाया होता। इन दो रद हुए वोटों ने अहमद पटेल की इज्जत बचा ली। अगला मोर्चा विधायकों के बीच नहीं, जनता जनार्दन के बीच होगा। टूटी-फूटी गुजरात कांग्रेस संगठित भाजपा से कितना लड़ पाएगी, यह अगले तीन-चार महीनों में पता चल जाएगा।

लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार का एक बड़ा कारण संप्रग सरकार के दस साल का भ्रष्टाचार रहा है, लेकिन कमाल यह है कि पार्टी को यह सीधी सी बात समझ में नहीं आ रही है कि देश का मतदाता भ्रष्टाचार को और बर्दाश्त करने या फिर उसकी उपेक्षा करने को तैयार नहीं। कम से कम पार्टियों और सरकारों के संदर्भ में तो यह बात कही ही जा सकती है। व्यक्तियों के भ्रष्टाचार के प्रति अभी वह इतना निर्मम नहीं हुआ है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मतदाताओं की ओर से नकारी गई कांग्रेस पिछले तीन साल में भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के साथ और शिद्दत के साथ खड़ी नजर आ रही है। उसे उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार से कोई परहेज नहीं तो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और बिहार में लालू परिवार के भ्रष्टाचार में उसे धर्मनिरपेक्षता को बचाने का अवसर नजर आता है। इन तीनों राजनीतिक दलों और कांग्रेस में एक और समानता है। ये सब व्यक्ति और परिवार आधारित पार्टियां हैं। कांग्रेस यह समझने से बच रही कि वह भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे नेताओं/पार्टियों से गठजोड़ करके मोदी और भाजपा से लड़ना चाहती है। इस लड़ाई का नतीजा बताने के लिए ज्योतिष के ज्ञान की जरूरत नहीं है।

जीएसटी और ममता

देश में वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) लागू हुए एक माह से अधिक वक्त बीत चुका है। बंगाल में भी एक जुलाई से ही जीएसटी लागू हो गया था। परंतु, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व उनके दल के नेता व मंत्री अब भी जीएसटी की आलोचना कर रहे हैं। यहां तक कि जीएसटी पर राज्यों के वित्तमंत्रियों की अधिकार प्राप्त कमेटी के चेयरमैन भी बंगाल के ही वित्तमंत्री अमित मित्रा हैं। लोकसभा से लेकर राज्यसभा तक 'एक देश, एक कर' लागू करने के लिए तृणमूल ने केंद्र सरकार की मदद की थी। परंतु, उसे जब लागू करने की बारी आई तो ममता सरकार ने आना-कानी शुरू कर दी। यहां तक कि विधानसभा सत्र आहूत करने के बावजूद जीएसटी बिल सदन में पास नहीं कराया गया। 30 जून की आधी रात को जीएसटी लागू करने के लिए आयोजित कार्यक्रम का भी बहिष्कार किया गया। अब जबकि बुधवार को विधानसभा में जीएसटी बिल पारित किया गया तो ममता ने कहा, 'वह नीतिगत रूप से जीएसटी की विरोधी हैं।

सिर पर बंदूक तान कर इसे लागू करा गया है। आम जनता परेशान है। राज्य में जीएसटी लागू करने के लिए पहले उन्हें अध्यादेश लाना पड़ा। अध्यादेश नहीं लाते तो ट्रेजरी का संचालन बंद हो जाता और सभी सरकारी कार्य ठप हो जाते। इसलिए जीएसटी लागू करने के लिए उन्हें बाध्य होना पड़ा।'अध्यादेश जारी करने के बाद विधानसभा शुरू होने पर उसे वैधानिक रूप देने के लिए बिल पारित करना पड़ता है। इसलिए बिल पेश किया गया। ममता का कहना है, 'बिना ढांचागत सुविधाएं तैयार किए बिना जीएसटी को जनता पर थोपा गया।

मिठाई की दुकानों से लेकर छोटे व्यवसायियों को परेशानी हो रही है। नोटबंदी के बाद जीएसटी लागू करने का दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।' वित्तमंत्री अमित मित्रा ने भी कहा,'दबाव में जीएसटी बिल पारित करना पड़ा, लेकिन आम जनता के हित में लड़ाई जारी रहेगी। जीएसटी नेटवर्क से 4 हजार करोड़ लेनदेन को जोड़ना था। इतना व्यापक स्तर पर जीएसटी से जोड़ने की प्रक्रिया के लिए कोई तैयारी नहीं थी।' पर, यहां सवाल यह उठता है कि यह बातें अब क्यों उठाई जा रही हैं? क्या एक दिन में जीएसटी लागू करने का फैसला लिया गया? ऐसा तो नहीं है। लंबी प्रक्रिया व सभी मुद्दों पर विचार, राज्यों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के बाद भी फैसला लिया गया। फिर ढांचागत सुविधा नहीं तैयार होने के सवाल उस वक्त क्यों नहीं उठाया गया? अब तो ऐसा लग रहा है कि यह सियासी विरोध के अलावा कुछ नहीं है।

दवाई खरीदी के प्रस्ताव में आठ महीने की देरी

नगरसेवकों ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, अतिरिक्त आयुक्त को मामले की जाँच करने का निर्देश

मुंबई। मानसून के मध्य में मनपा को दवाइयां व लैब टेस्टिंग की याद आयी है। लगभग आठ महीने देरी से इस प्रस्ताव को पेश किये जाने के साथ ही इसमें भ्रष्टाचार किये जाने का आरोप सर्वपक्षीय सदस्यों द्वारा स्थायी समिति की बैठक में किया गया जिससे मामले की जांच मनपा अतिरिक्त आयुक्त से करने का निर्देश स्थायी समिति अध्यक्ष रमेश कोरगांवकर ने स्थायी समिति की बैठक में दिया।

गौरतलब है कि मनपा अस्पतालो में मरीजो के लैब जांच को लेकर लगने वाली सामग्रियों का प्रस्ताव लाया गया ।जिस पर लगभग 25 करोड़ रुपए खर्च किया जायेगा।भाजपा नेता मनपा अस्पतालो में दवाइयां उपलब्ध न कराने और अस्पताल के सामने के मेडिकल स्टोर को फायदा पहुचाने के लिए मनपा अस्पताल के अधिकारियो और डक्टरों की मिली भगत कर मरीजो के साथ खिलवाड़ किए जाने और भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है कि मनपा प्रशासन लैब का प्रस्ताव 8 महीने देरी से लाया। जिस पर सदस्यो ने मरीजो के साथ खिलवाड़ किए जाने और उनके पैसो को

निजी मेडिकल स्टोर और लैब के द्वारा खर्च किए जाने का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के राईश शेख ने कहा कि सायन अस्पताल में मनपा का गिफ्ट शॉप है उसे भी कर्मचारियों ने निजी संसथान को भाड़े पर देकर मेडिकल स्टोर शुरू किया है। मनपा विरोधी पक्ष नेता रविराजा ने सायन अस्पताल के डीन द्वारा मेडिकल स्टोर चलाये जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मनपा के काई आधिकरी दस दस साल से मेडिकल सामग्री खरीदी विभाग में पैर जमाए बैठे है उन्हें जब तक दूसरी जगह नहीं हटाया जाएगा इस तरह का भ्रष्टाचार जारी रहने का आरोप लगाया। स्थायी समितिके सभी सदस्यों ने मेडिकल स्टोर के नाम पर मनपा में भ्रष्टाचार किए जाने और मरीजो को उनके इलाज के साथ खिलवाड़ किए जाने का आरोप लगाया। कॉंग्रेस की कमरजहां सिद्दीकी ने भी मनपा अस्पतालो में मरीजो का इलाज के समय मनपा की दवाइया न मिलने का आरोप लगाया। मनपा अतिरक्त आयुक्त विजय सिंघल ने भी प्रस्ताव देरी से लाए जाने को मान्य करते हुए कहा कि अब आगे कोई भी प्रस्ताव निविदा खत्म होने के पांच महीने पहले लाए जाने का कदम उठाया जाएगा। स्थायी समिति अध्यक्ष रमेश कोरगावकर ने मनपा अस्पतालो में मरीजो के साथ चल रहे भ्रष्टाचार की जांच अतिरिक्त आयुक्त स्तर पर किए जाने का निर्देश देते हुए आठ दिन के भीतर रिपोर्ट सामने लाने का निर्देश देते हुए तब तक प्रस्ताव को रोक रखा।

मनपा स्कूलों का शैक्षणिक दर्जा सुधारने के लिए समिति

मुंबई। मनपा स्कूलों का शैक्षणिक दर्जा निम्न स्तर का होने से लगातार स्कूलों से विद्यार्थियों की संख्या घटती जा रही है। विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने व दर्जा सुधारने के लिए मुंबई के पांच नामांकित विशेषज्ञों की समिति गठित की जायेगी जिसके द्वारा पेश रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा में बदलाव किया जाएगा। भाजपा नगरसेवक प्रकाश गंगाधरे के इस प्रस्ताव को कल मनपा सभागृह की बैठक में मंजूरी दी गयी है। जिससे शिक्षा का स्तर ऊंचा करने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि मनपा स्कूलों का शैक्षणिक दर्जा खराब होने से उसका असर विद्यार्थियों की संख्या पर पड़ रहा है।

स्कूलों से लगातार विद्यार्थियों की संख्या कम हो रही है। मुंबई में मनपा के लगभग 1195 स्कूल है जिसमे विविध भाषाओं में शिक्षा दी जाती है। मनपा स्कूलों के लिए बजट में बड़े प्रमाण में राशि का प्रावधान किया जाता है। साथ ही मनपा स्कूलों में मुफ्त 27 स्कूली सामान का वितरण, अनुभवी शिक्षक व आवश्यक सभी सुविधाएं मुहैया की जाती है। किन्तु मनपा स्कूलों का शैक्षणिक दर्जा नहीं सुधारने से मनपा स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में कोई बढ़ोत्तरी नहीं हो रही है। वहीं अब मनपा की कई स्कूलें निजी संस्थाओं को चलाने के लिए दिया जाएगा। जिससे अब गरीब विद्यार्थियों के शिक्षा का प्रश्न उपस्थित हो सकता है। जिसे देखते हुए आधुनिक तकनीक युग में प्रचलित अंग्रेजी व मराठी माध्यम में समन्वय स्थापित कर मनपा स्कूलों में ठोस उपाय योजना करने की जरुरत होने का गंगाधर ने प्रस्ताव में कहा है।

मनपा स्कूलों में वंदे मातरम राष्ट्रगीत अनिवार्य

मनपा आयुक्त के पास भेजा गया प्रस्ताव

सपा, एमआईएम व मुस्लिम नगरसेवकों ने किया वाकआउट

मुंबई। मुंबई के मनपा स्कूलों में सप्ताह में दो दिन वंदे मातरम गीत गाना बंधनकारक किया गया है। भाजपा नगरसेवक संदीप पटेल के प्रस्ताव को कल मनपा सभागृह में बिना चर्चा हरी झंडी दे दी गयी। जिसका विरोध कर समाजवादी पार्टी सहित एमआयएम, कांग्रेस नगरसेवक सुफियान वणु ने सभात्याग किया। वहीँ इस प्रस्ताव को अब मनपा आयुक्त अजोय मेहता के पास अभिप्राय के लिए भेजा जाएगा।

गौरतलब है कि मनपा स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में देशप्रेम, देशभक्ति जागृत करने वाले राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही वंदे मातरम गीत को भी स्थान मिले इस लिए मनपा स्कूलों में दो दिन वंदे मातरम गीत गाये जाने का प्रस्ताव भाजपा नगरसेवक संदीप पटेल ने मनपा सभागृह में मंजूरी के लिए पेश किया। वहीँ चेन्नई उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु में सभी सरकारी स्कूलों व महाविद्यालयों में सप्ताह में एक दिन सोमवार या शुक्रवार को वंदे मातरम राष्ट्रगीत गाना बंधनकारक करने का आदेश दिया जिसके तर्ज पर मुंबई में भी इसे लागू किये जाने का पटेल ने प्रस्ताव में कहा है। गुरुवार को मनपा सभागृह में पेश इस प्रस्ताव पर चर्चा करने की मंजूरी देने की मांग समाजवादी गटनेता रईस शेख ने की, लेकिन महापौर द्वारा इसकी अनदेखी किये जाने पर समाजवादी पार्टी सहित विरोधी पक्ष के मुस्लिम नगरसेवकों ने प्रस्ताव के सन्दर्भ में मतदान कराने की मांग की। नगरसेवकों की मांगों पर ध्यान न देकर इस प्रस्ताव को महापौर ने बिना चर्चा ही हरी झंडी दे दी। जिसके विरोध में समाजवादी पार्टी सहित एमआईएम व कांग्रेस के सुफियान वणु द्वारा सभात्याग किया गया। बता दें की पूर्व में वर्ष 1998 में शिवसेना के तत्कालीन नगरसेवक पराग चव्हाण ने वंदे मातरम राष्ट्रगीत मनपा स्कूलों में अनिवार्य करने की मांग ठहराव की सूचना द्वारा की थी।

जिसके संदर्भ में अभिप्राय देते तत्कालीन आयुक्त ने वंदे मातरम ऐच्छिक होने से उसे लादा नहीं जाने का स्पष्ट किया था उसके बाद भाजपा नगरसेविका समिति कांबले ने मनपा स्कूलों में सूर्य नमस्कार अनिवार्य करने की मांग की थी जिसका मनसे सहित विरोधी पक्षों द्वारा विरोध किया गया था। वहीँ अब वंदे मातरम राष्ट्रगीत को अनिवार्य करने की मांग की जा रही है। जिसे अब मनपा आयुक्त अजोय मेहता के पास अभिप्राय के लिए भेजा जाएगा। जिसके बाद ही इसे इस पर ठोस निर्णय लिया जाएगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

ट्रीबो 7 सीइपीएल होटल पर कानून का...

क्योंकि इनके पास अधिकारियों को दिखाने के लिए न तो कोई लाइसेंस था और न ही कोई कागजात। इस बीच ग्राहकों में भी काफी अफरा-तफरी मची रही। होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल के खिलाफ **दैनिक मुंबई हलचल** ने एक अभियान छेड़ रखा था और क्योंकि यह होटल पूरी तरह से अवैध और बिना

किसी लाइसेंस के चल रहा था। सबसे बड़ी बात यह थी कि इस होटल के पीलरों से छेड़छाड़ करके अवैध रूप से बांधकाम किया गया था जिस कारण होटल की इमारत कमजोर हो गई थी। पिछले दिन घाटकोपर में इन्हीं कारणों से एक बिल्डिंग ध्वस्त हुई थी जिसमें 17 लोग मारे गये थे। इसी आशंका की वजह से **दैनिक मुंबई हलचल** ने इस होटल की तरफ मुख्यमंत्री, मुंबई पुलिस आयुक्त और मनपा आयुक्त का ध्यान आकृष्ट किया था। ताकि समय रहते इस होटल के ध्वस्त होने और इससे होने वाली जनहानि को रोका जा सके। आखिरकार **दैनिक मुंबई हलचल** की यह कोशिश कामयाब हुई और ट्रीबो 7 सीइपीएल होटल को अधिकारियों ने अपने संज्ञान में लिया और इसकी जांच पड़ताल शुरु की। भले ही इसका मालिक मैनेजर आज फरार है लेकिन आज न तो कल उसे कानून क गिरफ्त में आना ही है। फिलहाल यही उम्मीद की जा सकती है कि मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त और मुंबई पुलिस आयुक्त इस अवैध होटल को चलाने में सहयोग देने वाले अपने भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी बहुत जल्द शुरु करेंगे।

दो संदिग्ध आतंकी...

पहले मामले में, दिल्ली पुलिस के विशेष शाखा ने आतंकी संगठन से संपर्क रखने के संदेह में एक व्यक्ति सैयद मोहम्मद जिशान अली को गिरफ्तार किया। उसे सउदी अरब से लाये जाने के बाद यहां गिरफ्तार किया गया। 2015 में एक्यूआईएस (अल-कायदा इन द इंडियन सबकाउंटिनेंट) के तीन कथित गुर्गों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे एक साल से अधिक समय से तलाश कर रही थी। विशेष प्रकोष्ठ के वरिष्ठ अधिकारियों ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। विस्तृत ब्यौरे की प्रतीक्षा है। दूसरे मामले में, पश्चिम बंगाल पुलिस से खुफिया सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने पिछले सप्ताह अल-कायदा से ताल्लुक रखने वाले 25 वर्षीय राजा-उल-अहमद को हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अहमद को पिछले सप्ताह हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने गिरफ्तारी की तारीख या जगह के बारे में खुलासा नहीं किया।

लालू के करीबी को...

पुलिस के अनुसार, केदार राय सुबह सगुना मोड़ रोड के पास टहलने निकले थे तभी, मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए सशस्त्र अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी और फरार हो गए। घायल अवस्था में उन्हें पटना के ही एक निजी अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों की संख्या तीन बताई जा रही है। हत्या के कारणों का अब तक स्पष्ट तौर पर पता नहीं चल पाया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया हत्या के पीछे भूमि विवाद की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है तथा अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। इधर, राजधानी में दिनदहाड़े हुई इस हत्या के बाद लोगों में आक्रोश है।

केरल के लव जिहाद मामले पर एनआईए दे रिपोर्टः सुप्रीम कोर्ट

केरल के बहुचर्चित अखिला-हादिया लव जिहाद मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए यानी आतंकी घटनाओं की जांच करने वाली संस्था नेशनल इनवेस्टिगेटिव एजेन्सी से रिपोर्ट तलब किया है। इस बाबत कोर्ट ने केरल पुलिस को आदेश दिया है कि वो इस मामले से जुड़े दस्तावेज एनआईए से साझा करें। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने केरल पुलिस और एनआईए को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था। लेकिन गुरुवार को एनआईए की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि इस मामले की जांच फिलहाल केरल पुलिस कर रही है, और एनआईए को अभी तक जांच नहीं दिया गया है। लिहाजा कोर्ट ने केरल पुलिस से दस्तावेज साझा करने का आदेश दिया है। अब एनआईए से कहा गया है कि इस मामले की जांच कर कोर्ट को रिपोर्ट सौंपे। इससे पहले एनआईए ने एक रिपोर्ट तैयार की थी जिसके मुताबिक

केरल के कुछ युवक आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन से जुड़ रहे हैं और इसके लिए वो केरल छोड़ कर सीरिया जा चुके हैं। एनआईए ये जांच करेगा कि क्या अखिला उर्फ हादिया भी ऐसे किसी आतंकी संगठन से जुड़ी है। कोर्ट ने पुलिस से ये पूछा है कि एक बालिग महिला ने अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन और शादी कर ली है तो उसे अपने पति से अलग कैसे किया जा सकता है। साथ ही कोर्ट ने लड़की के पिता से भी जवाब मांगा है क्योंकि वो महिला फिलहाल अपने पिता के साथ किसी अज्ञात जगह पर रह रही है। सभी पक्षों को 16 अगस्त तक जवाब देना होगा जब इस मामले की अगली सुनवाई होगी। ये मामला इसी साल मई के महीने में सुर्खियों में आया था जब केरल हाईकोर्ट ने हादिया नाम की इस महिला को उसके पति से अलग कर पिता के हवाले कर दिया था। कोर्ट ने पाया था कि हादिया जो धर्म परिवर्तन से पहले अखिला थी, की मानसिक स्थिति सही नहीं है और वो रैडिकलाइज हो गई है। ये बात भी सामने आई थी की वो महिला सीरिया जाना चाहती है। हालांकि हादिया ने इस्लाम धर्म कबूल कर शफिन जहां नाम के व्यक्ति से शादी कर ली थी लेकिन अदालत ने उस शादी को मानने से इनकार कर दिया था। अब शफिन जहां ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर मांग की है कि उसकी पत्नी को उसके हवाले कर दिया जाए। उसका कहना है कि हादिया ने अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन और शादी की है।

अंसारी के बयान पर बोले नायडू
अल्पसंख्यक मुद्दा केवल राजनीतिक प्रचार

नव निर्वाचित उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आज देश में अल्पसंख्यकों के बीच असुरक्षा की भावना होने की बात को महज राजनीतिक प्रचार बताकर खारिज कर दिया। नायडू ने यद्यपि किसी का नाम नहीं लिया लेकिन उनकी टिप्पणी को पूर्व उप-राष्ट्रपति अंसारी के एक टीवी साक्षात्कार की प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के मुसलमानों में असहजता और असुरक्षा की भावना है, और स्वीकार्यता का माहौल खतरे में है। नायडू ने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि अल्पसंख्यक असुरक्षित है। यह एक राजनीतिक प्रचार है। पूरी दुनिया के मुकाबले अल्पसंख्यक भारत में ज्यादा सकुशल और सुरक्षित हैं और उन्हें उनका हक मिलता है।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं हुआ कभी भेदभाव

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इतिहास इस बात का प्रमाण है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ कोई भेदभाव नहीं हुआ। नायडू ने कहा कि भारत अपने राजनेताओं की वजह से नहीं बल्कि अपने लोगों और सभ्यता की वजह से धर्मनिरपेक्ष हैं। कथित असहिष्णुता की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर नायडू ने कहा कि भारत एक विशाल देश है और इक्का-दुक्का मामले सामने आ सकते हैं जो कुछ और नहीं अपवाद हैं। नायडू ने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक वजहों से ऐसे मामलों में तिल का ताड़ बना देते हैं। कुछ लोग तो इस स्तर तक चले जाते हैं कि वे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर ऐसे मुद्दों को उठाकर देश को बदनाम तक करने लगते हैं। कुछ समुदायों के बीच दरार डालकर राजनीतिक स्वार्थसिद्धि के लिए ऐसा करते हैं । मूल समस्या वोट बैंक राजनीति और एक खास समुदाय को वोटबैंक माने जाने की वजह से है। देश के अगले उप-राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेने से एक दिन पूर्व उन्होंने कहा कि राजनेताओं को उनकी सलाह है कि वे समुदायों को राजनीति में न घसीटें।

अब राज्यसभा में नहीं दिखेंगे 'टू द पॉइंट' बोलने वाले ये सांसद

बहसों में टू द पॉइंट बोलने वाले लेफ्ट सांसद सीताराम येचुरी आगे संसद सत्र में नहीं दिखाई देंगे। वजह है उनके कार्यकाल की समाप्ति होना। उन्हें अपनी पार्टी की ओर से तीसरा कार्यकाल नहीं मिलने जा रहा है। मानसून सत्र में गुरुवार को सदन में येचुरी के साथी सदस्यों ने उन्हें विदाई दी। अपने विदाई भाषण में येचुरी ने कहा कि मैं कहीं भी रहूं लेकिन रामगोपाल यादव जी को देखने के लिए अपनी बायीं ओर देखता रहूंगा। रामगोपाल समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं। येचुरी के भाषण के दौरान कई सारे सदस्य भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि 2004 में कांग्रेस के गुलाम नबी आजाद ने मुझसे कहा था कि वे मुझे संसद में देखना चाहते हैं। हमारी पार्टी ने सोमनाथ चटर्जी को स्पीकर बनाया और मुझे संसद भेजने का फैसला लिया। अपने भाषण में थोड़ा हास्य जोड़ते हुए येचुरी ने कहा कि 'आउटसाइड सपोर्ट के लिए इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट सीपीएम को दिया जाना चाहिए।' येचुरी ने कहा कि कांग्रेस के जयराम रमेश उन्हें सीताराम ऑबिचुअरी बुलाते रहे हैं और वे उन्हें जयराम मोर्चुअरी कहते हैं। इस बीच अरुण जेटली ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि जयराम रमेश नहीं बदले और अब भी ऑबिचुअरी लिखते हैं। दूसरी तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि मेरी बेटी कहती है कि जब से मैंने अपने बाल रंगने बंद किए हैं। मैं येचुरी की तरह दिखने लगा हूं। डेरेक ओ ब्रायन येचुरी के बारे में बोलते हुए भावुक हो गए। येचुरी ने अपने परिवार और पत्नी का जिक्र करते हुए कहा कि मेरा बेटा ब्राह्मण, हिंदू, मुस्लिम नहीं बल्कि हिंदुस्तानी के रूप में जाना जाएगा।

समय से निपटा लें काम, लगातार 4 दिन बंद रहेंगे बैंक

बैंक में कुछ काम हो तो उसे पहले ही निपटा लीजिए क्योंकि इस महीने बैंकों में लगातार चार दिन की छुट्टी रहने से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, 12 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक देश के सभी बैंक बंद रहेंगे। इस तरह से लगातार चार दिन तक आप बैंक का कोई काम नहीं कर सकेंगे।

4 दिन बंद रहेंगे बैंक

बैंकों में इस बार चार दिन की छुट्टी एक साथ पड़ रही है। 12 अगस्त को महीने का दूसरा शनिवार है, 13 अगस्त को रविवार है, 14 अगस्त को जन्माष्टमी की छुट्टी है और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अवकाश रहेगा। इसके चलते बैंक लगातार चार दिन तक बंद रहेंगे। बता दें कि जन्माष्टमी की छुट्टी कुछ चुनिंदा राज्यों में ही होगी। ऐसी स्थिति में अगर आपने शुक्रवार तक आपने बैंक के सारे काम नहीं निपटाए तो फिर आपको 16 तारीख का इंतजार करना होगा।

ATM पर नहीं होगी दिक्कत

बैंकों के अनुसार छुट्टी होने के बावजूद एटीएम में कैश की दिक्कत नहीं होगी। दरअसल, अधिकतर बैंक एटीएम में पैसे डालने के लिए थर्ड पार्टी को कॉन्ट्रैक्ट देते हैं, जिसके चलते बैंक की छुट्टी होने के बावजूद एटीएम पर कैश की दिक्कत नहीं होती है।

12 साल बाद 11 सांसदों पर तय हुए आरोप, अब मिलेगी किए की सजा

नोट के बदले सवाल पूछने वाले 11 निष्कासित सांसदों की अब सामत आने वाली है। मामले के खुलासे के करीब 12 साला बाद विशेष अदालत ने तत्कालीन संसादों पर आरोप तय करने का आदेश जारी किया है। अदालत ने आपराधिक साजिश रचने के कथित अपराध और भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया।

दिसंबर 2005 के स्टिंग में हुआ खुलासा

आपको बता दें कि दिसंबर 2005 में एक टीवी स्टिंग में नजर आया था कि कैसे सांसद सदन में सवाल पूछने के एवज में घूस की मांग करते हैं। इन सांसदों में बीजेपी के छह सांसद, बीएसपी के तीन, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के एक-एक सांसद थे। जब यह मामला सामने आया तो राज्यसभा की ओर से एक समिति बनाई गई थी। वहीं लोकसभा पवन कुमार बंसल की कमेटी ओर से बनाई गई रिपोर्ट से सहमत नजर आई। सांसदों को 23 दिसंबर 2005 को बर्खास्त कर दिया था। कथित रूप से धन लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले से जुड़े 10 लोकसभा सदस्यों और एक राज्यसभा सदस्य को 23 दिसंबर 2005 को बर्खास्त कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई निष्कासन पर रोक

साल 2007 में सुप्रीम कोर्ट ने इस घोटाले में शामिल 11 सांसदों के निष्कासन पर रोक लगा दी थी। पांच जजों की बेंच ने यह फैसला दिया था। जो सांसद इस घोटाले में शामिल थे उनमें से 10 लोकसभा के तो एक सांसद राज्यसभा के थे। मामले के सामने आने के बाद कांग्रेस ने अपने ग्वालियर से सांसद को सस्पेंड कर दिया था। वहीं बीजेपी ने भी घोटाले में शामिल सांसदों की सदस्यता निरस्त कर दी थी। बीजेपी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी जो उस समय पार्टी अध्यक्ष थे उन्होंने कहा था कि इस पूरे मसले पर हर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

शरद यादव का दावा महागठबंधन आज भी बरकरार

महागठबंधन टूटने के बाद पहली बार बिहार आए जनता दल यूनाईटेड(जदयू)के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद यादव ने एक बार फिर पार्टी लाइन से अलग हटकर कहा कि आज भी वह महागठबंधन के साथ हैं। 3 दिवसीय बिहार यात्रा के क्रम में आज पटना के जयप्रकाश नारायण हवाई अड्डा पहुंचने के बाद यादव ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि गत विधानसभा चुनाव में 2 गठबंधन बना था और दोनों ने अलग-अलग घोषणा पत्र पर चुनाव लड़ा लेकिन उसमें से एक दल ने पाला बदल लिया है, जो उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कभी नहीं देखा। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन आज भी बरकरार है।

गठबंधन तोडना जनादेश का अपमान- जदयू के राज्यसभा सांसद ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को जनादेश मिला था। बिहार के 11 करोड़ लोगों ने बड़ी उम्मीद के साथ महागठबंधन को वोट दिया था। इस तरह से गठबंधन को तोडना ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि गठबंधन तोडना जनादेश का अपमान है। पिछले 40 वर्षों से वह सक्रिय राजनीति में हैं और विधानसभा चुनाव में वह स्वयं डेढ़ माह तक लोगों के बीच गये थे।

जेडीयू शरद को कर सकती है निलंबित- सूत्रों के अनुसार शरद को पार्टी से निलंबित किया जा सकता है। जेडीयू राज्यसभा में यादव को पार्टी के नेता पद से हटाने पर भी विचार कर रही है। जब से नीतीश कुमार ने भाजपा से साथ मिलाया है तब से शरद इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। नीतीश कुमार के खिलाफ शरद की इस मुहिम को लालू यादव और उनकी पार्टी से पूरा समर्थन मिल रहा है। इधर जनता दल यूनाइटेड का कहना है कि शरद यादव को जो भी बात कहनी है उन्हें पार्टी प्लेटफॉर्म पर कहना चाहिए।

ब्राइट आउटडोर मीडिया के योगेश लखानी ने की पुरस्कृत सेलिब्रिटीज से मुलाकात

ब्राइट आउटडोर के योगेश लाखानी, जो पूरे विश्व में सभी प्रमुख पुरस्कारों और इवेंट्स के आउटडोर पार्टनर होते हैं। हालही में वह आईआईएफए पुरस्कार समारोह के लिए न्यूयॉर्क गए, जहां वे वरुण धवन, कैटरीना कैफ, शहीद कपूर, नीतू चंद्र, मिका, कैलाश खेर और अन्य बॉलीवुड सेलेब्रेटी से मिले। वह भोजपुरी पुरस्कारों के लिए लंदन गए, जहां उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा, रवि किशन, मनोज तिवारी और गोविंदा से मुलाकात की। उन्हें स्टोर लॉन्च में भी आमंत्रित किया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और विजय दर्डा से भी दो अलग-अलग कार्यक्रमों से मुलाकात की।

तेजस्वी ने नीतीश के DNA को लेकर PM मोदी से मांगा जवाब

बिहार विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने आज कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान किया है। यादव ने जनादेश अपमान यात्रा के दौरान यहां के गांधी नगर भवन में राष्ट्रीय जनता दल(राजद) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह किसी को पता नहीं था कि राष्ट्रपिता के हत्यारों से मुख्यमंत्री कुमार हाथ मिला लेंगे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ(आरएसएस) के सामने घुटने टेक देंगे। उन्होंने कहा कि कहा कि उनकी पार्टी की नीतीश के साथ गठबंधन करना भूल थी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसी भूल को सुधारने के हम बापू की कर्मभूमि मोतिहारी गये और उनकी प्रतिमा के समक्ष क्षमा मांगी। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त, 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत हुई थी और मैने भी अपना अभियान इसी दिन शुरू किया है। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन टूटने के बाद सदन में मुख्यमंत्री ने मेरे द्वारा पूछे गये सवाल का जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुमार के डीएनए के संबंध में कहा था जिसे लेकर राज्य में आंदोलन चलाया गया और बोरे में भर-भर कर बालों और नाखूनों का नमूना दिल्ली भेजा गया था, उसका क्या हुआ। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सीएम को उन नमूनों को पटना मंगवा कर संग्रहालय में रखे जिसे आज का युवा पीढ़ी देख सके । उन्होंने कहा कि उनके ऊपर आरोप लगने के बाद मुख्यमंत्री ने उनसे इस्तीफा नहीं मांगा। यादव ने कहा कि उनकी पार्टी बिहार में किसी भी हाल में भाजपा और आरएसएस के मंसूबो पूरा होने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि राजद की पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित 27 अगस्त की रैली के बाद इस सरकार का जाना तय है। इस मौके पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप यादव और पूर्व केंद्रीय मंत्री रघुनाथ झा समेत बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

सुब्रत रॉय को SC का झटका

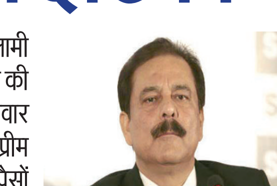

सुप्रीम कोर्ट ने आज सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय को झटका देते हुए एंबी वैली की नीलामी रोकने से इंकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एंबी वैली के लिए नीलामी नोटिस जारी करने की मंजूरी दे दी है और तय योजना के तहत वैली की नीलामी शुरू हो जाएगी। सुब्रत रॉय ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एंबी वैली की नीलामी रोकने के लिए अर्जी दायर की थी। सहारा ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि वो निवेशकों के पैसे लौटाने के काम में तेजी ला रहा है और निवेशकों के पैसों को जल्द लौटा देगा। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट एंबी वैली की नीलामी होने से रोके। पर सुप्रीम कोर्ट ने सहारा की बात मानने से इनकार करते हुए स्टे आर्डर की याचिका खारिज कर दी। गौरतलब है कि अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर समूह ने 17 अप्रैल तक 5,092.64 करोड़ रुपए सेबी के पास जमा नहीं कराए तो फिर वो एंबी वैली को नीलाम करने की कारवाई शुरू कर देगी। और अब एंबी वैली की नीलामी का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जयललिता की पार्टी के दो गुट फिर एक होंगे, दिनाकरन-शशिकला होंगे बाहर

चेन्नई। तमिलनाडु की सियासत में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पूर्व सीएम जयललिता की पार्टी एआईएडीएमके के दो गुट फिर एक होने जा रहे हैं। एक गुट जया की करीबी शशिकला का है। सीएम पलानीस्वामी इसी गुट से हैं जबकि दूसरा गुट ओ. पन्नीरसेल्वम का है। एआईएडीएमके सूत्रों के हवाले से कहा कि पन्नीरसेल्वम गुट के दो मंत्री सरकार में शामिल हो सकते हैं। वहीं, शशिकला और जया के भतीजे दिनाकरन को पार्टी से दूर रखा जाएगा। शशिकला, फिलहाल बेहिसाब संपत्ति के मामले में जेल में हैं। जयललिता की 5 दिसंबर 2016 को बीमारी के बाद मौत हो गई थी। इसके बाद एआईएडीएमके दो गुटों में बंट गई थी। शशिकला ने ओ. पन्नीरसेल्वम को हटाकर पलानीस्वामी को सीएम बनाया था। शशिकला के जेल जाने के बाद पार्टी के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी दिनाकरन ने पार्टी में कई पोस्ट्स पर अप्वॉइंटमेंट्स किए। इसको लेकर सीएम पलानीस्वामी नाराज थे। सीएम ने दिनाकरण के किए तमाम अप्वॉइंटमेंट्स को रद्द कर दिया है। इसके बाद दोनों गुटों के नेताओं की बातचीत शुरू हुई। खबर के मुताबिक, पलानीस्वामी ने गुरुवार को पार्टी के 27 मेंबर्स की मीटिंग बुलाई। इसमें फैसला किया गया दिनाकरन और शशिकला को पार्टी से दूर रखा जाए ताकि दोनों गुट एक हो सकें।

पन्नीरसेल्वम की क्या मांग?

पन्नीरसेल्वम गुट की सीधी सी मांग है कि शशिकला और दिनाकरन समेत जया के परिवार के किसी भी मेंबर को पार्टी में ना रखा जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पलानीस्वामी भी पार्टी और सरकार में शशिकला और दिनाकरन की दखलंदाजी से परेशान थे। इसलिए, उन्हें पन्नीरसेल्वम की मांग मानने में कोई दिक्कत नहीं थी।

आगे क्या?

अगले हफ्ते दोनों गुट एक हो सकते हैं। इसके लिए एआईएडीएमके हेडक्वॉर्टर में एक फंक्शन होगा। इसमें पलानीस्वामी और पन्नीरसेल्वम दोनों शामिल हो सकते हैं। खबरें इस तरह की भी हैं कि पन्नीरसेल्वम डिप्टी सीएम बन सकते हैं और उनके समर्थकों को कैबिनेट में जगह दी जा सकती है। ये भी कहा जा रहा है कि एआईएडीएमके केंद्र में बीजेपी सरकार को समर्थन दे सकती है और एनडीए का हिस्सा भी बन सकती है।

मायावती की हुंकार 'बीएसपी का सपना, सरकार हो अपनी'

लखनऊ। विधानपरिषद सदस्य जयवीर सिंह व पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज जैसे दिग्गजों की बगावती तेवरों से हुए नुकसान की भरपाई करने व संगठन के तार कसने को बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती प्रमुख पदाधिकारियों के साथ मासिक समीक्षा बैठक की। इस दौरान मायावती ने कहा कि बीएसपी के सभी प्रमुख पदाधिकारियों व जिम्मेवार कार्यकताओं की हुई बैठक में पूरे तन, मन, धन से काम करने के साथ ही बीएसपी का सपना, सरकार हो अपनी की अलख को जगाये रखने का संकल्प दोहराया गया ताकि बाबा साहेब डा. अम्बेडकर के सपने को पूरा किया जा सके। इस दौरान दलित व पिछड़ा-विरोधी जातिवादी व साम्प्रदायिक सत्ताधारी बीजेपी से लड़ने के बजाय बीएसपी को ही कमजोर करने में लगे रहने वाले स्वार्थी व गुलाम मानसिकता वाले भीतरघाती तत्वों से सावधान रहने की भी अपील। इस दौरान मायावती ने कहा कि बीजेपी एण्ड कम्पनी की घोर जातिवादी, संकीर्ण व साम्प्रदायिक नीतियों, कार्यकलापों एवं इनके गुप्त एजेण्डे के कारण खासकर गरीबों, दलितों व पिछड़ों की उपेक्षा एवं इनका तिरस्कार काफी ज्यादा बढ़ा है तथा इन वर्गों का हित व कल्याण एवं सशक्तिकरण हर स्तर पर बुरी तरह से लगातार प्रभावित हो रहा है, जो देशहित के लिये अति-चिन्ता की बात है। मायावती ने कहा कि साथ ही, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के लोगों को भी हर प्रकार से भयभीत व आतंकित करके उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक जैसा जीवन व्यतीत करने का माहौल बनाया जा रहा है, जिसके विरूद्ध भी संघर्ष जरूरी।

पार्टी से किया विरोध, अब जदयू से निकाले जा सकते हैं शरद यादव!

पटना। जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेता शरद यादव अपने तीन दिन की यात्रा पर पटना पहुंचे। यहां से वे बिहार के विभिन्न जिलों में जाकर महागठबंधन टूटने के बाद जनता का फीडबैक लेंगे। पटना पहुंचते ही उन्होंने नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला और कहा कि मैं गठबंधन में था और रहूंगा। पार्टी नेता अजय आलोक ने कहा कि पार्टी आलाकमान से गुजारिश है कि पार्टी विरोधी बयान देने पर शरद यादव पर कार्रवाई करनी चाहिए। शरद यादव ने कहा है कि मैं अभी भी गठबंधन में ही हूं, उनसे ऐसे बयान की उम्मीद नहीं थी। ऐसे बयान पार्टी के खिलाफ है और शरद जी ने खुद ही कह दिया है कि मैं पार्टी में नहीं। जदयू नेता नीरज कुमार ने शरद यादव पर आरोप लगाया कि शरद यादव की बिहार यात्रा लालू के रिमोट कंट्रोल से चल रहा है। लालू और शरद यादव मिलकर लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर कर रहे हैं लेकिन जनता सबकुछ जानती है उसे ये लोग मूर्ख नहीं बना सकते। वहीं, सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शरद पार्टी के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उन्होंने अपनी यात्रा की जानकारी पार्टी को नहीं दी है, इस वजह से पार्टी उनपर बड़ी कार्रवाई कर सकती है। जदयू ने एक नोटिस भी जारी किया है जिसमें कहा गया है कि जो भी कार्यकर्ता शरद के कार्यक्रम में जाएगा उसपर पार्टी कड़ी कार्रवाई करेगी। ऐसी भी जानकारी मिली है कि जल्द ही पार्टी शरद के निलंबन पर फैसला ले सकती है। उनके आने से पहले जदयू से निकाले गए गुजरात के पार्टी महासचिव अरुण श्रीवास्तव भी आज सुबह पटना पहुंचे और उन्होंने भी नीतीश कुमार के खिलाफ बड़ा बयान दिया और उन्हें धोखेबाज बताया। हालांकि शरद के बिहार दौरे को लेकर जदयू ने कहा है कि वो उनका अपना निजी दौरा है और पार्टी को इससे कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन यह भी कहा जा रहा है कि शरद को पार्टी से इस बारे में बात करनी चाहिए थी।

नाराज शरद का बिहार दौरा आज से, कहा- जनता का भरोसा टूटा : *बता दें कि, बिहार में महागठबंधन टूटने और उसके बाद भाजपा से हाथ मिलाकर नीतीश कुमार के राजनीतिक पालाबदल पर शरद खासे नाराज चल रहे हैं और अपना बिहार दौरा शुरू करने से पहले भी उन्होंने कहा कि महागठबंधन के टूटने से मुझे बड़ी चोट पहुंची है। खास तौर पर बिहार की 11 करोड़ जनता का भरोसा टूटा है। उन्होंने विपक्षी उम्मीदवार को बधाई भी दी है जिससे पार्टी की नाराजगी उन्हें झेलनी पड़ सकती है। शरद ने कहा है कि हमारे अथक प्रयास से महागठबंधन बना था। हमने तीन हेलीकाप्टर से भाजपा के 26 हेलीकाप्टर का मुकाबला किया था। परिस्थिति विकट है और मैं जब भी परेशान होता हूं जब मन के अंधेरे से घिर जाता हूं तो उजाले के लिए लोगों के बीच जाता हूं और इसीलिए बिहार दौरा कर रहा हूं।*

नशे में धुत पुलिस जीप के ड्राइवर ने ले ली एक की जान

पटना। खगड़िया जिले के मानसी थाना क्षेत्र के एनएच 31 चुकती गांव स्थित कोसी ढाबा के पास बुधवार को मानसी पुलिस जीप की चपेट में आने से बाइक पर सवार एमडीएम बीआरपी सुशील कुमार की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना के समय पुलिस की जीप भी अनियंत्रित होकर पलट गई जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने एनएच 31 को जाम कर दिया और पुलिस की जीप को आग के हवाले कर दिया। आज सुबह से आक्रोशित लोगों ने एनएच को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। मिली जानकारी के मुताबिक परबत्ता और बेलदौर में पदस्थापित एमडीएम बीआरपी सुशील कुमार और कुणाल कुमार अपना काम निपटा कर खगड़िया लौट रहे थे। चुकती गांव में मानसी पुलिस की अनियंत्रित जीप ने बाइक सवार दोनों लोगों को कुचल दिया। खगड़िया मथुरापुर निवासी परबत्ता एमडीएम बीआरपी सुशील कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बेलदौर बीआरपी कुणाल बुरी तरह घायल हो गया। इस घटना के बाद पुलिस की जीप भी पलट गई। इसके बाद देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित लोगों ने पहले तो कई बार पुलिस के विरोध में नारे लगाए। इसके बाद पुलिस के जीप को फूंक दिया। लोग वरीय अधिकारी को बुलाने की मांग कर रहे थे। आक्रोशित लोगों ने बताया कि मानसी थाना का ड्राइवर धर्मेंद्र कुमार नशे में धुत्त था।

उसने शराब पी रखी थी। जिस कारण गाड़ी पर उसका नियंत्रण नहीं रहा और उसने बाइक सवार को टक्कर मार दी। ड्राइवर मौके से फरार हो गया और इस मामले में अभी कोई भी पुलिस अधिकारी कुछ बोलने से परहेज कर रहे हैं।

ऐसी जगह जहां पत्थरों पर खुद ही बन गए है कई कुए

दुनियां में बहुत सी जगहें रहस्मयी कहानियों और रोमांच से भरी पड़ी है। बहुत से लोग घूमने के लिए ऐसी ही दिलचस्प जगहों को ढूढ़ते है जहां पर उन्हें कुछ नया देखने को मिले। आज हम ऐसी ही एक जगह की बात कर रहें है जहां पर रहस्मयी ढ़ग से खुद ब खुद कुएं बन गए है। ये जगह झारखंड के हजारीबाग और चतरा जिले के बॉर्डर पर स्थित है। पत्थरों पर प्राकृतिक रूप से बने इन कुओं पर सालों भर पानी भरा रहता है। यहां पर बने कुछ कुओं की गहराई तो अभी तक पता नहीं लगाई जा सकी है। इसके अलावा इन कुओं पर पानी पीने के लिए बहुत से जानवर भी आते है।

इस रहस्मयी जगह को झारखंड के लोग चुंदरु धाम के नाम से भी जानते है। फेमस हो चुकी इस जगह पर पर लोगों ने सूर्य मंदिर, धर्मशाला, अतिथि शाला और हवन कुंड का निर्माण करवा दिया है। धार्मिक जगह बन जाने के कारण यहां पर शादी समारोह और यज्ञ भी होते रहते है। कहा जाता है कि इस जगह पर चुंदरु बाबा की बहन की शादी हुई थी। इनकी बहन की बारात में लोग हाथी और बाघ पर सवार होकर आए थे। इसके अलावा लोगों का मानना है कि यहां पर पूजा करने के सिद्धि प्राप्त होती है। जिसके कारण ये जगहें ज्यादा मशहूर हो गई है।

चुंदरु खावा और चुंदरु बाबा के बारे में यहां के लोगों की अलग-अलग राय है लेकिन इस बात का किसी के पास कोई ठोस आधार नहीं है। आर्किलॉजिस्ट्स इस जगह को पुरातात्विक महत्व का केंद्र बिंदु मानते है। चुंदरु नदी और टंडवा नदी के संगम को देखकर लोग रोमांचित हो जाते है। इस जगह को ज्यादातर शूटिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। लोग इस जगह को धार्मिक जगह मान कर इसका आंनद उठाते है जबकि आर्किलॉजिस्ट्स इसे पुरातात्विक महत्व का केंद्र बिंदु मानते है।

इस जगह को चुंदरू खावा के अलावा रॉक कट केव्स के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक स्थल के तौर पर पहचाने जाने वाले इस स्थल को लोग प्रकतिक के तौर पर देखने के लिए आते है न कि धार्मिक तौर पर। ये शहर चतरा जिले के टंडवा की सीमा पर स्थित है। हजारीबाग जिलो से ये करीब 46 कि.मी की दूरी पर बना हुए है। इस रहस्मयी जगह पर पत्थरों पर प्राकृतिक रूप से कई कुएं बने हुए हैं। बारिश के दिनों में इस जगह पर जाना खतरे से खाली नहीं होता। इन दिनों यहां पर बहुत पानी भर जाता है जो किसी बाढ़ से कम नहीं होता है।

शरीर का आधा हिस्सा गायब होने के बाद यह महिला जीती है ऐसी जिंदगी

शरीर में किसी तरह की कमी हो जाए, तो आपकी पूरी जिंदगी बर्बाद हो जाती है। ऐसी ही तमाम मुश्किलों से जूझ रही हैं 33 साल की एशले कर्पाइल। एशले का सिर्फ आधा शरीर है, उनका दायां हाथ नहीं है जबकि पैर पैरालिसिस अटैक से ग्रसित है। उन्हें चलने फिरने से लेकर उठने-बैठने तक किसी न किसी का सहारा लेना पड़ता है। वह एक जिंदा मूर्ति बन चुकी हैं जो खुद हिल-डुल भी नहीं सकतीं।

दुनिया में सिर्फ 800 लोगों को है यह बीमारी

एशले को फायब्रोडीस्प्लासिया ओसिफिकंस प्रोग्रेसिविया से पीड़ित हैं। इस बीमारी में शरीर की मांसपेशियां धीमे-धीमे हड्डियों में तब्दील हो जाती हैं। इसी क्रम में यह बीमारी उनका दाहिना हाथ लील चुकी है। दुनिया में सिर्फ 800 लोग ही इस बीमारी से ग्रसित हैं। 20 लाख लोगों में किसी एक को यह बीमारी अपना शिकार बनाती है।

ढाई साल में हो गया था कैंसर

एशले बताती हैं कि जब वो ढाई साल की थी तब उन्हें पता चला कि उन्हें कैंसर है। डॉक्टर्स ने इसका काफी इलाज किया। बाद में पता चला कि वह तो ट्यूमर था। जिसके चलते एशले का दायां हाथ हटा दिया गया। जिससे यह पूरे शरीर में न फैले। हालांकि यह उनके दाएं पैर पर असर डाल चुका है। एशले का दायां पैर पैरलाइज हो गया है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। बकाया वसूली होगी। व्यस्तता रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

सिंह
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन सामने आएगी। ईष्ट मित्र सहायता करेंगे। धनार्जन होगा।

धनु
अप्रत्याशित घटना घट सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृष
उन्नति होगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें।

कन्या
भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अस्वस्थता रहेगी। प्रमाद न करें।

मकर
पूछ-परख बढ़ेगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन
तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

तुला
स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कुंभ
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। लाभ होगा।

कर्क
उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि होगी। धैर्य रखें।

वृश्चिक
बुरी सूचना मिल सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नकारात्मकता बढ़ेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

मीन
कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। दूसरों से अपेक्षा न करें। विवाद न करें।

खाली बैठी सिंगापुर पुलिस ढूंढ रही है बस सीट पर टूथपिक लगाने वाले को

हाल के दिनों में सिंगापुर पुलिस के पास जो सबसे बड़ा केस आया है। वह है बस की सीट पर टूथपिक लगाने वाले को खोजना। ऐसा इसलिए, क्योंकि दुनिया में सबसे कम अपराध सिंगापुर में होते हैं। यहां अपराध दर बहुत कम है। ऐसे में पुलिसवालों को खाली समय छोटे-मोटे केस निपटाने होते हैं। इस समय सिंगापुर पुलिस को एक 60 साल के आदमी की तलाश है जिसने बस की सीट पर तीन टूथपिक लगा दिए थे। सीसीटीवी फुटेज से उस आदमी की पहचान की गई। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी बाकी है।

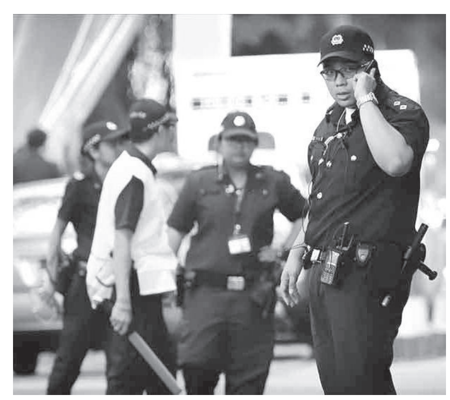

फेसबुक से मामला आया सामने

यह केस तब सामने आया, जब फेसबुक पर एक लड़की ने इस घटना का जिक्र किया। लड़की ने पोस्ट करते हुए लिखा कि, दोस्तों, 'अगली बार जब भी बस सीट पर बैठना, तो एक बार चेक जरूर करना।' लड़की ने ऐसा इसलिए लिखा क्योंकि वह जिस सीट पर बैठने जा रही थी, उस पर पहले से किसी ने तीन टूथपिक लगा रखीं थीं। यह किसी की शरारत थी लेकिन फेसबुक पर लड़की की पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई। करीब ढाई हजार से ज्यादा बार उसे शेयर किया गया।

काफी सख्त है यहां के कानून

पुलिस ने सूचना मिलते ही आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट की मानें, जिस व्यक्ति ने यह हरकत की उसे दो साल की सजा मिलेगी। साथ ही जुमार्ना भी भरना होगा। सिंगापुर में अपराध काफी कम होते हैं। यही वजह है इससे पहले जो केस चर्चा में आया था वह दो साल पहले का था। जब एक स्मोकर ने फ्लैट की खिड़की से सिगरेट बाहर फेंक दी थी। उस पर काफी भारी जुमार्ना लगाया गया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

10 खतरनाक ब्यूटी ट्रीटमेंट जिन्हें बड़े शौक से कराती है ये खूबसूरत अभिनेत्रियां

खूबसूरत और आकर्षक दिखने के लिए लोग क्या नहीं करते। जिसके पास जितना पैसा होता है, वह उतना ही महंगा ब्यूटी ट्रीटमेंट कराता है। अब सेलिब्रिटीज की ही बात करें तो ऐसी कई हस्तियां हैं जिनके चेहरे की खूबसूरती की वजह ऐसे ट्रीटमेंट होते हैं, जिनका नाम सुनते ही आप डर जाएं। आज हम आपको ऐसी ही कुछ हस्तियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके अजीबोगरीब ब्यूटी ट्रीटमेंट के बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

जानें क्या हैं ये अजीबोगरीब ब्यूटी ट्रीटमेंटः-

- वैम्पायर फैशियल

खून के माध्यम से फेसलिफ्ट की एक नई तकनीक है, जिसे अमरीकी मॉडल किम कादर्शिया भी करवाती है। इसमें मरीज के शरीर से थोड़ा खून निकालकर उसमें से प्लेटलेट्स, सीरम और हीमोग्लोबिन को अलग कर दिया जाता है। साथ ही दूसरे तत्व जैसे अमीनो एसिड आदि को सीरम में डालकर फिर उसे इंजेक्शन के माध्यम से शरीर में डाल दिया जाता है। ये त्वचा से झुर्रियों को खत्म करने और उसे निखारने में मदद करता है।

- बर्ड पू फेशियल

यह एक जापानी ब्यूटी ट्रीटमेंट है, जिसे डिजाइनर विक्टोरिया बैकहम भी करवाती है। इसमें चिड़िया का मल फेशियल के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें मौजूद मैजिकल इंग्रीडिएंट्स डेड सेल्स को हटाकर ग्लोइंग और पॉलिश्ड स्किन देते हैं।

- प्लेसेंटा कोलेजन मास्क

हॉलीवुड सिंगर जेनिफर लोपेज अपने चेहरे का ग्लो बनाए रखने के लिए अजीबोरगीब ट्रीटमेंट लेती हैं, जिसे प्लेसेंटा कोलेजन मास्क कहते हैं। इसमें इंसान की गर्भनाल को बाकी प्रोक्ट्स के साथ इस्तेमाल कर एक मास्क बनाया जाता है, जो चेहरे पर बढ़ती उम्र का असर नहीं दिखने देता और आपको ग्लोइंग स्किन देता है।

- मधुमक्खी का जहर

ईंी शील्लङ्क फेशियल के नाम से मशहूर इस ट्रीटमेंट में मधुमक्खी के जहर से बना मास्क इस्तेमाल किया जाता है। इसे ब्रिटेन की रानी केट मिडिल्टन करवाती है, जिससे स्किन यंग और ग्लोइंग रहती है।

- सांप का जहर

हॉलीवुड ऐक्ट्रेस ग्वेनेथ पाल्ट्रो झुर्रियों से बचने के लिए सांप के जहर से बनी क्रीम का इस्तेमाल करती हैं।

- मछली के अंडे से

अभिनेत्री अंजलीना जोली स्ट्रेच मार्कस से बचने और स्मूथ स्किन के लिए कैवियार(मछली के अंडे से बने) ब्यूटी ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करती है।

- घोंघा का वीर्य

केटी होम्स अच्छी स्किन के लिए घोंघा के वीर्य से बने ब्यूटी ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करती है।

- जोंक से खून चुसवाना

चेहरे के खून को साफ करवाने के लिए लीच थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें जोंक खून से ऐसे टॉक्सिन्स को चूस लेते हैं, जिससे त्वचा चमकदार दिखने लगती है। हॉलीवुड में कई सेलेब्स इसे करवाती है।

- रेड कार्पेट ट्रीटमेंट

स्किन को ब्राइटनिंग, टाइटनिंग और स्मूथ रखने के लिए कई हॉलीवुड सेलेब्स इसे लेते हैं।

- ब्रेस्ट मिल्क फेशियल

इसमें ब्रेस्ट मिल्क को सफेद मिट्टी और विटामिन ई के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाया जाता है, जिससे त्वचा हाइड्रेट और मुलायम होती है।

ब्लड प्रैशर से लेकर कैंसर की बीमारियों में फायदेमंद है हरी मिर्च

खाना खाते समय साथ में हरी मिर्च खाना तो हर कोई पंसद करता है लेकिन शायद ही किसी को इसके पता हो कि हरी मिर्च सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। इसमें विटामिन ए, बी6, सी, आयरन, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और काबोर्हाइड्रेट भरपूर मात्रा में होते है। जो शरीर को कई तरह की बीमारियों से दूर रखते है। इसके अलावा इसमें बीटा कैरोटीन, क्रीप्टोक्सान्थिन, लुटेन -जॅक्सन्थिन जैसे तत्व होते जो आपके स्वास्थ्य को ठीक रखते है। हाल में ही हुए शोध में इस बात का खुलासा किया गया है कि हरी मिर्च खाने से स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है।

1. पाचन क्रिया मजबूत

रोजाना हरी मिर्च खाने से पाचन तंत्र ठीक रहता है। इसमें विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है, जो शरीर में मौजूद दूसरे विटामिन को अवशोषित करने में मदद करता है। इसके अलावा रोजाना इसे खाने से शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट की मात्रा ठीक रहती है। जिससे पाचन तंत्र सुचारु रुप से बना रहता है।

2. वजन घटाना

हरी मिर्च खाने से शरीर में बनने वाली ऊष्मा कैलरी बर्न करती है। इसमें मौजूद डाइट्री फाइबर्स शरीर में ज्यादा ऊष्मा को बनाते है। जिससे इसके सेवन से वजन घटाने से मदद मिलती है। इसके अलावा इसे खाने से मेटाबेलिज्म का स्तर भी बढ़ता है।

3. हाई ब्लड प्रैशर

अक्सर इस तरह के मरीजों को फीका और कम तेल का खाना खाने के लिया कहा जाता है। हरी मिर्च में उच्च रक्तचाप को नियत्रिंत रखने के गुण होते है। इसलिए इस तरह के मरीज अपने आहार मे दो से तीन हरी मिर्च को जरुर शामिल करें। इसके अलावा इसे खाने से ब्लच शुगर भी कंट्रोल में रहता है।

4. आंखों और त्वचा के लिए फायदेमंद

विटामिन ए से भरपूर हरी मिर्च आंखों और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। आंखों का और त्वचा के सूखेपन को दूर करने के लिए हरी मिर्च सबसे अच्छा तरीका है। विटामिन सी और बीटा कैरोटीन इन प्रॉबल्म को दूर रखने में मदद करता है। हरी मिर्च को हमेशा अंधेरी जगह पर ही रखें रोशनी में रखने से इसके अंदर मौजूद विटामिन सी खत्म हो जाता है।

5. डायबिटीज

हरी मिर्च को रात को एक गिलास में भिगो कर रख और सुबह खाली पेट इसके निकाल कर पानी को पी लें। एक हफ्ते तक इसे पीने से आपकी शुगर कंट्रोल में रहती है। इसके अलावा इसके सेवन से आप दमा, दिमागी बीमारियां और बैक्टीरियल इंफेक्शन से दूर रखती है।

6. कैंसर

हरी मिर्च का सेवन करने से आप फेफड़ो के कैंसर से लेकर लंग्स के कैंसर से बचे रहते है। इसमें मौजूद एंटी आक्सीडेंट्स आपके शरीर की इम्युनिटी को बढ़ा कर आपको कैंसर से लड़ने में मदद करते है। इसलिए रोजाना खाने के साथ इसका सेवन जरुर करें।

Eyebrow को घना करने के लिए बैस्ट हैं ये तरीके

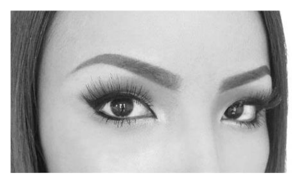

आंखें चेहरे की खूबसूरती का सबसे अहम हिस्सा है। इनकी खूबसूरती और भी बढ़ जाती है,जब आईब्रो यानि भौंहे घनी हो। इसके साथ बिना मेकअप भी आपकी लुक अट्रैक्टिव हो जाती है। जबकि हल्की और पतली भौहें चेहरे को डल दिखाती हैं। कुछ लड़कियां आइब्रो को घना दिखाने के लिए आइब्रो पैंसिल का इस्तेमाल करती हैं लेकिन यह अस्थायी तरीका है। आप भौहों को स्थाई तौर पर भी घना बना सकती हैं। इसके लिए आपको कुछ घरेलू तरीके अपनाने से बहुत फायदा मिलेगा।

कैस्टर ऑयल

कैस्टर यानि आरंडी का तेल आइब्रो को जल्दी घना बनाने के लिए बहुत असरदायक है। इससे बालों की ग्रोथ जल्दी होनी शुरू हो जाती है। रात के समय इसका इस्तेमाल ज्यादा फायदा पहुचाता है। रूई पर थोड़ा सा कैस्टर ऑयल लगा कर इसे भौहों पर लगाएं। इसके बाद उंगुलियों से धीरे-धीरे आइब्रो की मसाज करें और 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से इसे धो लें।

नारियल का तेल

नारियल तेल में विटामिन ई,आयरन और न्यूट्रिशियंस बालों की ग्रोथ के लिए बहुत बढिया है।भौहों के लिए भी यह बहुत कारगर है। रात को आइब्रो पर नारियल तेल की कुछ बूंदे लगाकर मसाज करें। इससे ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है,जिससे बालों की ग्रोथ बढने लगती है। इसे रात भर ऐसे ही लगा रहने दें। रोजाना कम से कम एक महीने तक इसका इस्तेमाल करें।

जैतून का तेल

इसमें मौजूद विटामिन ई बालों को घना और मजबूत बनाता हैं। जैतून के तेल में थोड़ा सा शहद मिलाकर 2 मिनट के लिए इससे आइब्रो की मसाज करें और पानी से धोएं। इसके अलावा रात को सोने से पहले भौहों पर जैतून का तेल लगाकर 2 मिनट के लिए मसाज करें।

प्याज का रस

बालों की ग्रोथ को बढ़ाने के लिए प्याज का रस भी कारगर है। प्याज का रस निकाल कर इसे आइब्रो पर लगाएं और 5 मिनट बाद ठंड़े पानी से धो लें। इसे हफ्ते में 2 बार भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

अजहर ने किया कुंबले को स्पोर्ट कहा

जम्बो का फैसला सही था

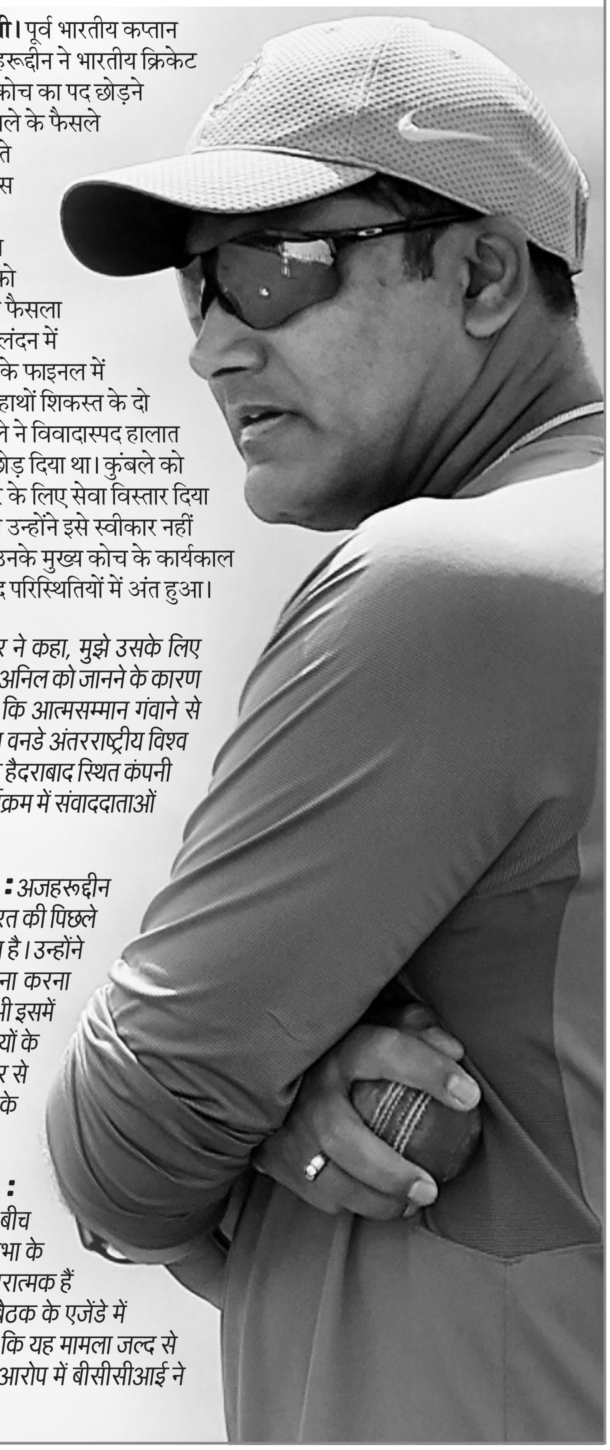

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ने के अनिल कुंबले के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि इस पूर्व महान लेग स्पिनर ने अपने आत्मसम्मान को देखते हुए सही फैसला किया। जून में लंदन में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान के हाथों शिकस्त के दो दिन बाद कुंबले ने विवादास्पद हालात में अपना पद छोड़ दिया था। कुंबले को वेस्टइंडीज दौरे के लिए सेवा विस्तार दिया गया था लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया जिससे उनके मुख्य कोच के कार्यकाल का विवादास्पद परिस्थितियों में अंत हुआ।

अनिल के साथ ऐसा होना दुखद : *अजहर ने कहा, मुझे उसके लिए काफी दुख होता है। यह दुखद है कि इस तरह की चीज अनिल के साथ हुई। अनिल को जानने के कारण मुझे नहीं लगता कि वह इस तरह का व्यक्ति है। शायद उसने सोचा होगा कि आत्मसम्मान गंवाने से बेहतर दूर हो जाना होगा। मुझे लगता है कि उसने सही फैसला किया। तीन वनडे अंतरराष्ट्रीय विश्व कप (1992, 1996 और 1999) में भारत की अगुआई करने वाले अजहर हैदराबाद स्थित कंपनी बिगकोड गेम्स के थ्री डी मोबाइल गेम 'अजहर-द कैप्टन' के लॉन्च पूर्व कार्यक्रम में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।*

शास्त्री की इस टिप्पणी से सहमत नहीं : *अजहरुद्दीन मौजूदा मुख्य कोच रवि शास्त्री की इस टिप्पणी से भी सहमत नहीं हैं कि भारत की पिछले 20 साल की टीमों ने वह हासिल नहीं किया जो मौजूद टीम ने हासिल किया है। उन्होंने कहा, उन दिनों की भारतीय टीम मौजूदा टीम से अलग थी इसलिए तुलना करना अनुचित है। उन दिनों वह (शास्त्री) भी टीम का हिस्सा थे इसलिए वह खुद को भी इसमें शामिल कर रहे हैं। गेंदबाज अलग थे, विरोधी टीमें अलग थीं इसलिए दो पीढ़ियों के बीच में तुलना करना मुश्किल होता है। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने अजहर के ऊपर से मैच फिक्सिंग के सभी आरोप हटा दिए है और इसे लगभग पांच साल बीत जाने के बावजूद उन्हें बीसीसीआई से अपनी लंबित राशि नहीं मिली है।*

बीसीसीआई बैठक में उठा अजहर का मुद्दा : *बुधवार को बीसीसीआई के पदाधिकारियों और प्रशासकों की समिति के बीच बैठक के दौरान अजहर का मुद्दा उठा जहां इस मामले को बोर्ड की आम सभा के पास भेजने का फैसला किया गया। अजहरूद्दीन ने कहा, मेरी उम्मीदें सकारात्मक हैं क्योंकि मैंने कभी नकारात्मक नहीं सोचा। मैंने बोर्ड को जो पत्र भेजा उसे बैठक के एजेंडे में रखा गया इसका मतलब है कि वे इसे लेकर गंभीर हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि यह मामला जल्द से जल्द सुलझ जाए और हम आगे बढ़ जाएं। मैच फिक्सिंग में संलिप्तता के आरोप में बीसीसीआई ने अजहरूद्दीन पर आजीवन प्रतिबंध लगाया था।*

पीवी सिंधु ने ज्वॉइन किया डिप्टी कलेक्टर का पदभार

नई दिल्ली। रियो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट इंडियन शटलर पीवी सिंधु ने बुधवार को आंध्र प्रदेश में डिप्टी कलेक्टर का पदभार ग्रहण किया। इंडिया की स्टार वुमेन शटलर सिंधु ने गोलापुड़ी में स्टेट सेक्रेटिएट में अपना पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उनके साथ उनके माता-पिता भी मौजूद थे। सिंधु ने लैंड एडमिनिस्ट्रेशन के चीफ कमिश्नर ऑफिस में अपना पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कमिश्नर अनिल चंद्र पुनेथा को रिपोर्ट करने के बाद औपचारिक रूप से सेवा में शामिल होने के लिए दस्तावेजों पर अपने हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पिछले महीने सिंधु को नियुक्ति पत्र सौंपा था। इंडिया की टॉप बैडमिंटन खिलाड़ी को राज्य सरकार में ग्रुप आई अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। सिंधु ने पिछले साल रियो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया था। सिंधु ने वूमेन सिंगल्स मुकाबले में यह पदक हासिल किया था। इसके अलावा एशियाई गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशिया चैंपियनशिप में भी उन्होंने देश का नाम ऊंचा किया।

बीसीसीआई महिला और पुरुष टीमों के चयनकताओं को देगा इनाम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पुरुष और महिला क्रिकेट टीम की चयन समिति के सदस्यों को अच्छी टीम के चुनाव के लिए इनाम देगा। दोनों टीमों की चयन समिति के हर एक सदस्य को 15-15 लाख रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा। प्रशासकों की समिति और बोर्ड के अधिकारियों ने एक बैठक में इस बात का ऐलान किया।

भारतीय टीम की पूर्व कप्तान और सीओए की सदस्य डियाना इडुल्जी ने कहा, चयन समिति के सदस्यों को अच्छी टीम के चुनाव के लिए सम्मानित किया जा रहा है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की चयन समिति की अध्यक्षता एम.एस.के प्रसाद कर रहे हैं। इसमें सारनदीप सिंह और देवांग गांधी शामिल हैं। इन्होंने जिस टीम को चुना था उसने पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन किया था। पिछले 12 महीने के समय में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई सीरीज में जीत हासिल की है। इसके बाद, हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ जारी तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भी भारत ने 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। महिला क्रिकेट टीम की चयन समिति की अध्यक्षता हेमलता काला कर रही हैं। उनके साथ इस समिति में लोपामुद्रा बनर्जी और शशी गुप्ता शामिल हैं।

योगेश्वर की निगाह फिटनेस तथा राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों पर

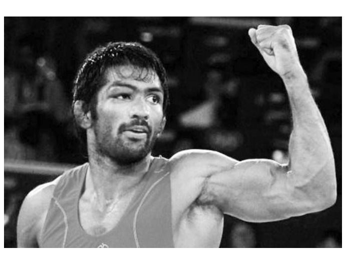

नयी दिल्ली। पिछले एक साल से किसी भी टूनामेंट में भाग नहीं लेने वाले ओलंपिक कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त अभी अपना पूरा ध्यान फिटनेस पर दे रहे हैं ताकि वह अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में भाग ले सकें। योगेश्वर पिछले कुछ वर्षों में चोटों से जूझते रहे हैं और इसलिए वह पिछले साल रियो ओलंपिक के बाद से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है लेकिन उन्होंने अभी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने की अपनी उम्मीद नहीं छोड़ी है। योगेश्वर ने यहां द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच कैप्टेन चांदरुप की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद कहा, मैं अभी अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रहा हूं और इसके लिये हर रोज सुबह शाम कम से पांच घंटे अभ्यास करता हूं लेकिन यह सब मैं अपनी फिटनेस के लिये कर रहा हूं क्योंकि मैं पिछले कुछ समय से चोटों से जूझता रहा हूं और इसलिए अभी मेरी प्राथमिकता अपनी फिटनेस बनाये रखना है। लंदन ओलंपिक में 60 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले इस 34 वर्षीय पहलवान ने कहा, अगले साल राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल हैं और अगर मैं फिट होता हूं तो इन दोनों में भाग लूंगा। अभी मैंने तोक्यो ओलंपिक के बारे में कुछ नहीं सोचा है। भारतीय पहलवानों की अगली परीक्षा अब पेरिस में इसी महीने के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में होगी। योगेश्वर ने कहा कि रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक और और एक अन्य महिला पहलवान विनेश फोगाट के अलावा पुरुष वर्ग में बजरंग पूनिया, संदीप तोमर और प्रवीण राणा से पदक की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा, बजरंग पूनिया, संदीप तोमर, प्रवीण राणा हमारे पास सीनियर वर्ग में अच्छे खिलाड़ी हैं। इनसे विश्व चैंपियनशिप में पदक की उम्मीद है। लड़कियों में विनेश और साक्षी हैं जो पदक जीत सकती हैं। इन सभी से हमें अगले ओलंपिक में पदक की उम्मीद रहेगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मैं अनुराग कश्यप के सिनेमा की उपज हूं : हुमा कुरैशी

बॉलीवुड एक्ट्रैस हुमा कुरैशी अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में काम कर चूकी है। हुमा आगामी फिल्म पार्टीशन : 1947 के प्रचार के दौरान साक्षात्कार के लिए मंगलवार को यहां उपस्थित हुईं। हुमा से विषय वस्तु आधारित फिल्में देने वाले कश्यप और तिग्मांशु धुलिया जैसे निर्देशकों की भूमिका से संबंधित सवाल पर कहा, मैं अनुराग कश्यप की सिनेमा की उपज हूं। उन्होंने मेरी पहली फिल्म का निर्देशन किया और मैं खुश हूं कि गैंग्स ऑफ वासेपुर मेरी पहली फिल्म थी। जब मैं फिल्म पर काम कर रही थी, तब मैंने महसूस नहीं किया था कि फिल्म की विशेषता महत्व रखती, बल्कि आप फिल्म का आनंद ले और इससे खुद को जोड़ने में सक्षम हों। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ह्यगैंग्स ऑफ वासेपुर मेरे लिए आदर्श शुरूआत थी। यह कई भाषाओं में डब हुई और इसने अंतर्राष्ट्रीय सराहना हासिल की। कलाकार के रूप में फिल्म मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसने भविष्य की यात्रा की दिशा दिखाई।

बॉलीवुड की नई जनरेशन के इकलौते एक्टर रणवीर सिंह निभाएंगे ये रोल..

फिल्ममेकर रोहित शेट्टी एक्टर रणवीर सिंह के साथ एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म 2015 में आई तेलुगु फिल्म टेम्पर का रीमेक है, जिसमें रणवीर एक भ्रष्ट पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाएंगे। तमिल टेम्पर में यह किरदार जूनियर एनटीआर ने निभाया था और उनके अपोजिट काजल अग्रवाल नजर आई थीं। इस फिल्म की कहानी एक भ्रष्ट पुलिस ऑफिसर के इर्द-गिर्द घूमती है। बता दें कि रणवीर सिंह नई जनरेशन में इकलौते ऐसे एक्टर हैं, जो पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने जा रहे हैं। रणबीर कपूर, वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और अर्जुन कपूर ने अभी तक किसी भी फिल्म में पुलिस ऑफिसर का किरदार नहीं निभाया है।

दबंग खान ने निभाया अपना वादा

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने कुछ समय पहले डिस्ट्रीब्यूटर्स से वादा किया था कि अगर उनकी फिल्म ट्यूबलाइट बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली तो वह डिस्ट्रीब्यूटर्स का हुआ नुकसान वापस कर देंगे। कहा जा रहा है कि सलमान खान ने अपना वादा पूरा किया है और नुकसान का 50 फीसदी हिस्सा डिस्ट्रीब्यूटर्स को लौटा दिया है। वादे के मुताबिक सलमान ने 32.5 करोड़ रुपए लौटाएँ हैं। डिस्ट्रीब्यूटर्स की टीम के प्रमुख नरेंद्र हिरावत, जिन्होंने ट्यूबलाइट को 130 करोड़ रुपये में खरीदा था, उन्होंने इस संबंध में सलमान खान से मुलाकात की है। खबरों मी माने तो पिछले हफ्ते सलमान खान के गहर गैलेक्सी में एक डिस्ट्रीब्यूटर्स की एक मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में सलमान खान के अलावा पूरा परिवार मौजूद था। मीटिंग में सलीम खान ने माना कि उनके बेटे की फिल्म ट्यूबलाइट फ्लॉप हुई है इसलिए वह उसका भुगतान करेंगे।